राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 76 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 24 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

गणतंत्र के अमृतकाल में साहित्य उत्सव का आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

राष्ट्र निर्माण की बुनियाद में साहित्य की सदैव रही है निर्णायक भूमिका

- साहित्य आशा, साहस और सामाजिक चेतना जागृत करने का सबसे सशक्त माध्यम : उप सभापति
- रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का हुआ भव्य शुभारंभ : देशभर के 120 साहित्यकार, 42 सत्रों में करेंगे विचार-विमर्श

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर के नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में आज रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह राज्यसभा के उप सभापति श्री हरिवंश के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री विष्णु श्री देव साय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन विनोद कुमार शुक्ल मंडप में किया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा तथा सुप्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता मनोज जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय तथा छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों के करकमलों से

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकार, जे. नंदकुमार द्वारा लिखित पुस्तक नेशनल सेल्फहुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की पुस्तक लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की पुस्तक तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया। उप सभापति श्री हरिवंश ने अपने संबोधन की शुरुआत छत्तीसगढ़ के महान साहित्यकार स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी साहित्य की एक समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है तथा इस प्रदेश ने अपनी स्थानीय संस्कृति को सदैव मजबूती से संजोकर रखा है। रायपुर साहित्य उत्सव के आयोजन में अत्यंत रचनात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कबीर के काशी से गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा से भी उनका विशेष जुड़ाव रहा है। उप सभापति श्री हरिवंश ने कहा कि एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है, निराशा से उबारता है और जीवन जीने का साहस प्रदान करता है। उपसभापति श्री हरिवंश ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारत आज स्टील, चावल उत्पादन और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। देश की आत्मनिर्भरता से दुनिया को नई दिशा मिली है और इस राष्ट्रीय शक्ति के पीछे साहित्य की सशक्त भूमिका रही है।

पीएम मोदी ने केरल को दी नई अमृत भारत ट्रेनों की सौगात

नई दिल्ली/ एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (शुक्रवार) केरल के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने राज्य में Inovation और एंटरप्रेन्योरशिप हब का शिलान्यास किया। साथ ही पीएम मोदी ने पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड भी लॉन्च किया, जिससे रेहड़ी-पटरी और फुटपाथ पर काम करने वाले लोगों को आर्थिक मदद मिलेगी। तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री ने तीन नई अमृत भारत ट्रेनों और एक नई यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। जिन ट्रेनों को रवाना किया गया, उनमें नागरकोइल मंगलुरु, तिरुवनंतपुरम तांबरम, तिरुवनंतपुरम चार्लापल्ली रूट की अमृत भारत ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा त्रिशूर और गुरुवयूर के बीच नई पैसेंजर ट्रेन भी शुरू की गई। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, आज केरल के विकास को केंद्र सरकार के प्रयासों से नई रफ्तार मिली है। राज्य में रेल कनेक्टिविटी और मजबूत हुई है। तिरुवनंतपुरम को देश का एक बड़ा स्टार्टअप हब बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। केरल की धरती से गरीब कल्याण से जुड़ी एक बड़ी पहल की शुरुआत हुई है। पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड से देशभर के रेहड़ी-ठेले और फुटपाथ पर काम करने वाले साथियों को सीधा लाभ मिलेगा। पीएम मोदी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में कहा, आज मुझे यहां एक नई ऊर्जा दिख रही है। मुझे यहां नई उम्मीद दिख रही है। आपका जोश यह विश्वास दिलाता है कि अब केरल में बदलाव होकर रहेगा। यहां लेफ्टिस्ट इको सिस्टम को मेरी बात गले नहीं उतरेगी।

विशेष काव्य-पाठ

महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ सहित सुरजीत नवदीप मंडप में गूंजा साहित्य, 90 से अधिक रचनाकारों की सहभागिता

ओपन माइक

सुर, शब्द और संवेदना का उत्सव

स्वाद और संस्कृति का संगम

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से महक उठा साहित्य

नाटक 'चाणक्य' का मंचन

नाटक 'चाणक्य' का भव्य एवं प्रभावशाली मंचन

शिल्प साधना

आभूषण, हस्तकला और परंपरा ने रचा वैभव

शब्द, संवेदना और संस्कार का महासंगम

छत्तीसगढ़ की साहित्यिक विरासत का महोत्सव
रायपुर साहित्य उत्सव
आदि से अनादि तक
23-25 जनवरी 2026
नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

"सुरसरि सम सब कहँ हित होई"

छत्तीसगढ़ शासन | छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

23-25 जनवरी 2026
पुरखौती मुक्तांगन, नवा रायपुर

- 120 से अधिक ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों की सहभागिता
- 42 साहित्यिक सत्र - विचार, विमर्श और संवाद
- 10 हजार से अधिक पंजीकरण
- साहित्य, पत्रकारिता, सिनेमा, डिजिटल युग और एआई पर विशेष सत्र

उत्सव के मुख्य आकर्षण

साहित्यिक संवाद | पुरखा के सुरता | रजत प्रवाह
नाटक 'चाणक्य' का मंचन | राष्ट्रीय पुस्तक मेला | कवि सम्मेलन
युवाओं के लिए ओपन माइक | छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां | चित्रकला व कार्टून प्रतियोगिता

रामचरितमानस के बालकाण्ड की यह अमर चौपाई जिस लोक-मंगलकारी भावना को रेखांकित करती है, उसी कल्याणकारी चेतना को आत्मसात किए रायपुर की पावन धरा पर साहित्य उत्सव 'आदि से अनादि तक' का भव्य शंखनाद हुआ है। यह आयोजन संवेदना और संस्कार की उस अविरल धारा का अर्पण है, जो गंगा की पवित्र सरिता की भाँति मानवता के अभ्युदय के लिए युगों-युगों से प्रवाहित हो रही है।

नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह ने इस उत्सव को वैचारिक ऊँचाई प्रदान की। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, राज्यगीत और साहित्य उत्सव गीत से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को संस्कार और संवेदना से आलोकित कर दिया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा और सुप्रसिद्ध रंगकर्मी मनोज जोशी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की सहभागिता ने इसे एक स्मरणीय सांस्कृतिक क्षण बना दिया।

विमोचन और वैचारिक समृद्धि

इस अवसर पर अतिथियों के करकमलों से छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक, छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकारों पर केंद्रित प्रकाशन, जे. नंदकुमार की नेशनल सेल्फहुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया। यह क्षण राज्य की साहित्यिक यात्रा और समकालीन रचनात्मकता दोनों का उत्सव बन गया।

साहित्य का महाकुंभ

प्रभु श्रीराम का ननिहाल छत्तीसगढ़ है और इस पावन भूमि पर रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन हम सभी के लिए गर्व का विषय है। देशभर से आए साहित्यकारों और साहित्य-प्रेमियों का स्वागत है। यह उत्सव साहित्य का एक महाकुंभ है। उत्सव के मंडप विनोद कुमार शुक्ल, श्यामलाल चतुर्वेदी, लाला जगदलपुरी और अनिरुद्ध नीरव जैसे महान साहित्यकारों को समर्पित हैं—जिन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और साहित्य को नई पहचान दी। कविता अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध सिखाती है—यही साहित्य की वास्तविक शक्ति है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की "हार नहीं मानूंगा" जैसी पंक्तियाँ आज भी जनमानस को संबल देती हैं।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री

साहित्य समाज को दिशा देता है

छत्तीसगढ़ी साहित्य की समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है, जिसने अपनी स्थानीय संस्कृति को दृढ़ता से संजोया है। एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है और निराशा से उबारकर जीवन जीने का साहस प्रदान करता है। आज भारत विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है—स्टील, चावल उत्पादन और स्टार्टअप्स में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इस राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के पीछे साहित्य की सशक्त भूमिका रही है, जिसने समाज की चेतना को निरंतर जाग्रत रखा।

श्री हरिवंश
माननीय उपसभापति

साहित्य को नई ऊर्जा

यह आयोजन साहित्य का महाकुंभ है, जो 12 वर्षों बाद पुनः आयोजित हुआ है। उस समय भी मैंने इसमें भाग लिया था और आज 2026 में फिर से सहभागी बना हूँ। इस प्रकार के आयोजन हमें नई ऊर्जा और प्रेरणा देते हैं। ऐसे आयोजन बार-बार होते रहें और इनका विस्तार हर जगह हो, ताकि बस्तर संभाग सहित सभी क्षेत्रों के लोग इससे जुड़ सकें।

शिव कुमार पांडेय
बस्तर के कहानी-किस्सों के लेखक

साहित्य सबका अधिकार है

हर साहित्य उत्सव के बाहर यह लिखा होना चाहिए कि "आप अंदर आइए।" ऐसा इसलिए, क्योंकि साहित्य जीवन की अभिव्यक्ति का उत्सव है और साहित्य सबका अधिकार है। लोगों को पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पढ़ना मसल फ्लेक्स करने जैसा है—जितना अभ्यास, उतनी मजबूती। इस तरह के आयोजन पाठकों को किताबों से जोड़ने का प्रयास हैं

टीजे भानु
अभिनेत्री

"संस्कृति का संस्कार रूप साहित्य अमर है" उत्सव का यही स्वर रायपुर की फ़िज़ाओं में गूंज रहा है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने की मंडल अध्यक्षों की घोषणा, दक्षिण ब्लॉक मंडल के अध्यक्ष बने आफताब

राजनांदगांव। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट के अनुमोदन से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष की नियुक्ति का आदेश जारी किया। इस आदेश के तहत राजनांदगांव शहर के दक्षिण ब्लॉक में आफ्ताब अहमद को मंडल अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। आफ्ताब अहमद ने इस नियुक्ति पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, संगठन सृजन के तहत दक्षिण ब्लॉक प्रभारी हनी ग्रेवाल सहित अन्य जनों का आभार व्यक्त किया। आफ्ताब अहमद ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत युथ कांग्रेस से की थी। वह पिछले 10 वर्षों से पार्टी के विभिन्न पदों निष्ठा से कार्य कर रहे थे। अब अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत उन्हें मंडल अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति क्षेत्र में संगठनात्मक मजबूती को और अधिक सुदृढ़ करेगी, ऐसा विश्वास कार्यकर्ताओं ने व्यक्त किया है।

केसर नगर में हिंदू जागरण मंच ने मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

राजनांदगांव। हिंदू जागरण मंच राजनांदगांव द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर केसर नगर में श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन, त्याग और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन देश की आजादी और स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा। वक्ताओं ने कहा कि शतुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा जैसे उनके ओजस्वी विचार आज भी युवाओं में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना जगाते हैं। हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि नेताजी का संघर्ष, नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में मंच के कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता के जयघोष के साथ किया गया।

पाटन ब्लॉक के ग्राम जरवाय में श्री राम मंदिर स्थापना दिवस श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया

पाटन। ब्लॉक के ग्राम जरवाय में श्री राम मंदिर का स्थापना दिवस भक्ति और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

दोपहर के सत्र में सूरदास मानस परिवार तरीघाट द्वारा सुमधुर मानस प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर सुना।

शाम को श्रद्धा भाव से दीप यज्ञ का आयोजन किया गया, जिससे पूरा गांव भक्तिमय माहौल में डूब गया।

रात्रि में जय मां काली बघूआ जस झांकी मटिया की आकर्षक प्रस्तुति हुई, जो किशोर मेडिकल स्टोर्स, पाटन के सहयोग से आयोजित की गई। झांकी को दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में ग्राम सरपंच यशवंत साहू, उपसरपंच रविशंकर, दीन दयाल पटेल, सुभाष यादव, अशोक साहू, चिमन साहू, हीरा सिंह, दिनेश, खेमेंद्र, चंद्रिका, अशोक भारती, राम जी यादव, कनेट पाल, मानस मर्मज्ञ दो राम शर्मा, ईश्वर वर्मा, ठाकुर राम, श्याम लाल, सोनू साहू, नूतन साहू, तुषार, तोरण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

"ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी, जांजगीर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई वसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा"

जांजगीर (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी, जांजगीर में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक 23 जनवरी 2026 को ज्ञान, विद्या और कला की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती को समर्पित "वसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा" का आयोजन भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था, जिससे चारों ओर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक माहौल बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं विधिवत पूजा-अर्चना पंडित राकेश तिवारी के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराई गई। मंत्रों की गूंज और शंखध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने पूजा में भाग लेकर माँ सरस्वती से ज्ञान, विवेक और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद प्राप्त किया। वसंत पंचमी के अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पीले वस्त्र धारण किए, जो इस पर्व की विशेष पहचान माने जाते हैं। पीले पुष्पों, रंगोली और सजावटी वस्तुओं से विद्यालय परिसर अत्यंत आकर्षक लग रहा था। जिससे विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति आस्था और समर्पण की भावना और अधिक प्रबल हुई। साथ ही सरस्वती पूजा के सांस्कृतिक सत्र में विद्यार्थियों एवं संगीत शिक्षक श्री हेमंत गर्धंव द्वारा सरस्वती वंदना किया गया। विद्यालय के प्राचार्य ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि वसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक है। पूजा उपरांत माँ सरस्वती को भोग अर्पित किया गया और तत्पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। सभी उपस्थित जनों ने अनुशासन और श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में शांति, सौहार्द और भक्ति का वातावरण बना रहा। अंत में विद्यालय प्रबंधन समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं विशेष रूप से पंडित राकेश तिवारी का आभार व्यक्त किया, जिनके द्वारा विधिपूर्वक पूजा संपन्न कराई गई। यह आयोजन विद्यालय के इतिहास में एक स्मरणीय एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम के रूप में याद किया जाएगा।

मजबूत शिक्षा से ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव

बिर्रा (समय दर्शन)। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर कैरियर प्वाइंट किड्स स्कूल, बिर्रा में माँ सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर वार्षिक समारोह (एनुअल फंक्शन) का विधिवत शुभारंभ किया गया। विद्यालय परिसर में श्रद्धा, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से सजा यह आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया ने अपने संबोधन में कहा कि जब शिक्षा मजबूत होती है, तब राष्ट्र की नींव अपने आप मजबूत हो जाती है। आज के समय में बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सरपंच श्रीमती पीली बाई ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि सभापति श्रीमती मोहन कुमारी साहू ने अपने उद्बोधन में कहा

शिक्षा ही समाज को सही दिशा देती है। बच्चों को आत्मनिर्भर, संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। इस अवसर पर मनोज तिवारी, गीता तिवारी, सेवानिवृत्त शिक्षक एफएल. साहू, लखन कश्यप, श्री अरुण कश्यप, दिनेश चंद्रा, एस.एल. चंद्रा, श्रीमती कल्पना सिंह, श्री रामकिशोर देवांगन, गुरूप्रसाद भतपरे, शुभम थवाईत, देवेंद्र नामदेव, संचालक बी.एल. सागर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों की सराहना की गई। मौके पर मीडिया प्रतिनिधि जीवन साहू, संजू साहू एवं कमल खुटें सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बच्चों के पैरेंट्स को बच्चों के प्रतीभा को अवश्य देखना चाहिए -तिवारी जी

(जिनियस पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल बिर्रा में एनुअल फंक्शन वार्षिकोत्सव संपन्न)

बिर्रा (समय दर्शन)। किसी भी जगह बच्चों का सांस्कृतिक आदि कार्यक्रम आयोजित हो अन्य कोई पहुंचे कि न पहुंचे बल्कि बच्चों के पैरेंट्स को बच्चों की प्रतिभा को देखने अवश्य ही पहुंचना चाहिए। ताकि बच्चों से भावनात्मक लगाव बनी रहे।उक्त बातें जिनियस पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल बिर्रा में आयोजित एनुअल फंक्शन वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में द्वै सेवानिवृत्त शिक्षक एस के तिवारी व गीता प्रसाद तिवारी ने कही। उन्होंने विद्यालय परिवार के उत्तरोत्तर प्रगति की मंगलमय कामना की।इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती पिलीबाई एकादशिया साहू ने और विशिष्ट अतिथि के रूप में संकुल समन्वयक लखनलाल कश्यप, रामकिशोर देवांगन,श्री आजाद, दिनेश चंद्रा, मिडिया प्रभारी जितेन्द्र तिवारी, जीवनलाल साहू,एकांश पटेल,शुभम थवाईत,भागवत चंद्रा उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां शारदे को नमन् करते हुए पूजा अर्चना की। अतिथियों का बैच लगाकर शाल श्रीफल और पुष्प माला से स्वागत किया गया।अपने उद्बोधन में मिडिया प्रभारी जितेन्द्र तिवारी ने कहा कि बिर्रा में संचालित इंग्लिश मीडियम स्कूल बिर्रा की आन बान और शान है।आज जिनियस पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल अपने शानदार दस साल पूरा कर लिया है।अब तक के सफ़र में विद्यालय परिवार ने बहुत उतार चढ़ाव देखा है। शानदार सफ़र के लिए हृदय से आभार और शुभकामनाएं। विद्यालय परिवार द्वारा कक्षा एल के जी नर्सरी से लेकर 12 तक के प्रतीभा वान बच्चों को मोमेंटो स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण व अविभावकों की उपस्थिति रही। विद्यालय के संचालक एल के साहू व प्राचार्य उमेश कुमार ने सबका आभार व्यक्त किया।

नर्सिंग छात्रों के प्रदर्शन को जोगी कांग्रेस नेता समसुल का समर्थन, आयुष विश्वविद्यालय का घेराव

राजनांदगांव। नया रायपुर स्थित आयुष विश्वविद्यालय में नर्सिंग छात्रों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उग्र प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय का घेराव किया। नर्सिंग एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष नजीब अशरफऔर प्रदेश सचिव अमित रॉय के नेतृत्व में प्रदेशभर से पहुंचे 300 से 400 छात्र-छात्राएं आंदोलन में शामिल हुए। प्रदर्शन को अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने समर्थन दिया।

छात्रों की प्रमुख मांगों में सेमेस्टर फॉर्म शुल्क 1500 रुपए करने, समय पर परीक्षा कराने के लिए तत्काल टाइम टेबल जारी करने, रिचेकिंग व रिटोटलिंग प्रक्रिया को ऑनलाइन करने, सेमेस्टर परिणामों में सुधार तथा सभी कॉलेजों की प्रैक्टिकल फीस 300 रुपए निर्धारित करने की मांग शामिल थी। आंदोलन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रैक्टिकल फीस नि:शुल्क करने और परीक्षा शुल्क 3100 रुपए से घटाकर 1500 रुपए करने पर सहमति दी।

जोगी कांग्रेस नेता शमसूल आलम ने बताया कि रैली के रूप में पहुंचे छात्रों को पुलिस ने मुख्य गेट पर रोक दिया। पुलिस के अनुरोध पर छात्र गेट पर ही बैठ गए और शांतिपूर्ण ढंग से भजन-कीर्तन करने लगे। काफी देर इंतजार के बाद जब कोई ठोस जवाब नहीं मिला तो प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और विश्वविद्यालय के गेट पर चढ़ गए। इसके बाद विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया।

छात्रों ने कॉलेजों की जांच के लिए एक समिति गठित करने और उसमें पासआउट छात्रों को प्रतिनिधि के रूप में शामिल करने की मांग भी रखी। इस पर कुलपति ने अगले दिन मुलाकात के लिए आमंत्रित किया है।

प्रदर्शन में नर्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारी, अजीत जोगी युवा मोर्चा, एनएसयूआई अंबिकापुर के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नर्सिंग छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इनमें कोंडागांव, अंबिकापुर, जगदलपुर, रायपुर, बिलासपुर और राजनांदगांव सहित प्रदेश के कई जिलों से आए विद्यार्थी शामिल थे।

शमसूल आलम ने कहा कि शेष मांगों को लेकर जल्द ही नर्सिंग एसोसिएशन के साथ स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की जाएगी। वहीं छात्रवृत्ति से जुड़ी समस्याओं को लेकर आदिम जाति कल्याण विभाग के मंत्री से भी चर्चा की जाएगी।

सरल प्रक्रिया, समय पर भुगतान और बेहतर सुविधाओं से किसानों को मिल रहा है लाभ

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कभी धान बेचने के लिए लंबी कतारें, असमय भुगतान और अनिश्चितता किसान की मजबूरी हुआ करती थी। लेकिन आज वही किसान आत्मविश्वास के साथ मुस्कुरा रहा है। यह बदलाव केवल व्यवस्था का नहीं, बल्कि किसान के जीवन में लौटे सम्मान और भरोसे का प्रतीक है। और यह संभव हो पाया है मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हो रही धान खरीदी और उनकी किसान हितैषी नीतियों के वजह से। जिले के ग्राम पेंड्री निवासी किसान श्री कुलन्दन सूर्यवंशी की कहानी छत्तीसगढ़ में लागू की गई पारदर्शी और किसान-हितैषी धान खरीदी व्यवस्था की सशक्त मिसाल बनकर सामने आई है। उन्होंने उपार्जन केंद्र पेंड्री में 17.20 क्विंटल धान का विक्रय किया और महसूस किया कि अब किसान सिर्फ उत्पादक नहीं, बल्कि सम्मान का भागीदार है।

किसान श्री सूर्यवंशी बताते हैं कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल का सर्वाधिक समर्थन मूल्य मिलना, उनके लिए सिर्फ एक आर्थिक लाभ नहीं बल्कि वर्षों की मेहनत का सच्चा मूल्य है। साथ ही प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की सुविधा ने उनकी आमदनी के साथ संबल प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि अब धान बेचने की प्रक्रिया डर और भ्रम की नहीं, बल्कि विश्वास और सुविधा की है। ऑनलाइन टोकन प्रणाली, डिजिटल तौल कांटा, माइक्रो एटीएम से भुगतान, समय पर टोकन कटाई और त्वरित भुगतान इन सभी व्यवस्थाओं ने किसान के समय, श्रम और सम्मान की रक्षा की है। धान लाने से लेकर भुगतान तक हर चरण सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद हो गया है। उपार्जन केंद्र पर पर्याप्त बारदाना, स्वच्छ पेयजल, बैठने की व्यवस्था और छायादार स्थान जैसी सुविधाओं ने किसानों को यह अहसास कराया कि शासन उनके साथ खड़ा है। श्री सूर्यवंशी कहते हैं कि पहले जिन कठिनाइयों से गुजरना पड़ता था, वे अब बीते दिनों की बात हो गई हैं।

समय पर भुगतान मिलने से अब वे अगली फसल की तैयारी, बच्चों की शिक्षा और परिवार की जरूरतों की योजना आत्मविश्वास के साथ बना पा रहे हैं। यह व्यवस्था केवल धान खरीदने तक सीमित नहीं, बल्कि किसान को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। श्री कुलन्दन सूर्यवंशी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते कहते है कि आज छत्तीसगढ़ का किसान खुद को असहाय नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर महसूस कर रहा है। शासन की किसान-हितैषी नीतियों ने हमारे जीवन में उम्मीद, उत्साह और खुशहाली भर दी है।

सारंगढ़ में 8 फरवरी को जुटेगा सतनामी समाज, भव्य प्रदेश स्तरीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

ज्ञान स्थल पुष्प वाटिका में होगा गरिमामय आयोजन, अविवाहितों के साथ विधवा, विधुर और तलाकशुदा भी कर सकेंगे जीवनसाथी का चयन

गुरु खुशवंत साहेब होंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ गुरु घासीदास मिनीमाता सतनामी समाज विवाह समिति एवं समस्त सतनामी समाज सारंगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 8 फरवरी 2026 रविवार को एक भव्य प्रदेश स्तरीय सतनामी समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है यह कार्यक्रम सारंगढ़ स्थित ज्ञान स्थल पुष्प वाटिका (कलेक्टर परिषद के पास) में सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगा।

मुख्य अतिथि एवं गरिमामय उपस्थिति- इस भव्य सामाजिक समागम के मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब होंगे उनकी उपस्थिति समाज के युवाओं और परिवारों के लिए प्रेरणादायी होगी कार्यक्रम में प्रदेश भर से समाज के प्रतिष्ठित नागरिक और प्रतिनिधि शामिल होंगे ।

आयोजन का उद्देश्य- समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि आज के भागदौड़ भरे समय में परिवारों को योग्य जीवनसाथी खोजने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है यह मंच समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के साथ-साथ

विधवा विधुर एवं वैधानिक रूप से तलाकशुदा भाई-बहनों को भी पुनर्विवाह के जरिए नए जीवन की शुरुआत करने का अवसर प्रदान करेगा ।

पंजीयन प्रक्रिया एवं शुल्क

सम्मेलन में सहभागिता के लिए अग्रिम पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है ,अगर किसी कारणवश अग्रिम पंजीयन नहीं करा पाए हैं उनके लिए 8 फरवरी को कार्यक्रम स्थल पर भी सुबह से पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी ।

अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क सूत्र

समाज के इच्छुक व्यक्ति निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क कर अपना विवरण दर्ज करा सकते हैं।इंजी. अजय कोसले 76976-26376

नंदराम सुमन 89659-75402

छोटेलाल जोल्हे 91795-11906

गुलशन सुमन 93992-70675

रामभरोस जांगड़े 62618-20784

समाज से अपील

आयोजक समिति छ.ग. गुरु घासीदास मिनीमाता सतनामी समाज(विवाह) समिति ने प्रदेश पदाधिकारी गढ़ साथ प्रदेश महामंत्री अनुसूचित जाति भाजपा साथ ही समस्त सतनामी समाज के सदस्यों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं और सामाजिक एकता व समरसता को मजबूती प्रदान करें ।

मुख्यमंत्री ने गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटे महिला पत्रकारों के दल से की मुलाकात

महिला पत्रकार अपने साहस से कर रहीं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत- मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटे महिला पत्रकारों के दल ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला पत्रकार अपने साहस से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत कर रही हैं। मैं उन सभी महिलाओं के साहस को नमन करता हूं जो पत्रकारिता जैसे चुनौतीपूर्ण पेशे में रह कर समाज में सकारात्मक योगदान दे रही हैं।

मुख्यमंत्री को महिला पत्रकारों के दल ने गुजराती अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर पहली बार छत्तीसगढ़ से महिला पत्रकारों के दल को अन्य राज्य के अध्ययन भ्रमण पर भेजने के लिए उनका आभार जताया। महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि विगत वर्ष महिला दिवस पर उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष महिला पत्रकारों को भी अध्ययन भ्रमण पर भेजे जाने की इच्छा व्यक्त की थी। उन्हें बहुत खुशी है कि मुख्यमंत्री ने उन सभी की इस इच्छा को पूरा किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने महिलाओं से चर्चा के दौरान कहा कि इस अध्ययन भ्रमण के दौरान आप सभी ने गुजरात विधानसभा, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, राजकोट, पोरबंदर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को समझा है। आने वाले समय में ये अनुभव आपकी कलम को और भी समृद्ध करेगा, जिसका लाभ पत्रकारिता जगत के साथ ही आपके पाठकों भी मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष है। इस वर्ष को हम महतारी गौरव वर्ष के रूप में मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने महिला पत्रकारों से उनके अध्ययन भ्रमण के अनुभवों को किताब के रूप संजोने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह ना सिर्फ आपके लिए इस भ्रमण को हमेशा के लिए यादगार बनाएगा बल्कि अन्य लोग भी आपकी किताब को पढ़कर गुजरात के बारे में अपनी जानकारी बढ़ा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात एक समृद्ध और मॉडल राज्य है। गुजरात की एक खासियत यह भी है कि वहां सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। अमूल सहकारिता का एक जीवंत उदाहरण है, जिसमें मुख्यत: महिलाएं शामिल है। छत्तीसगढ़ में भी हम सहकारिता को बढ़ावा दे रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी देश के सहकारिता मंत्री भी हैं। उनके मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में भी सहकारिता के लिए बहुत कार्य हो रहा है। सहकारिता इस बात का प्रतीक है कि मिलकर करने से बड़ा काम भी आसान होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हम सभी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण कर रहे हैं। मंत्रालय में अब ई-फाइल प्रणाली लागू है। मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला पत्रकारों से अपनी गुजरात यात्रा के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि गुजरात का सीएम डैशबोर्ड देश का सबसे एडवांस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम है जिसके माध्यम से एक जगह बैठकर ही पूरे प्रदेश पर नजर रखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के विकास की नींव रखी थी, हम गुजरात जैसी व्यवस्थाओं को यहां भी लागू कर रहे हैं। मुख्यमंत्री से महिला पत्रकारों ने गुजरात अध्ययन भ्रमण के अनुभवों को साझा किया। सुश्री निशा द्विवेदी ने कहा कि इस टूर के माध्यम से उन्हें गुजरात के समृद्ध इतिहास और संस्कृति से रुबरू होने का अवसर मिला। सुश्री दामिनी बंजारे ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके 8 वर्षों के पत्रकारिता के करियर में पहली बार है जब महिलाओं का दल अध्ययन भ्रमण पर गया है। कोरिया की सुश्री नूरजहां ने बताया कि यह पहली बार है जब महिलाओं को इस रूप में प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी महिला पत्रकारों को ये मौका मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री को महासमुंद की पत्रकार सुश्री उत्तरा विदानी ने बताया कि गुजरात विधानसभा के भ्रमण में बहुत अच्छा लगा। वहां की खास बात यह देखने को मिली कि बच्चों सहित आमजन को विधानसभा की कार्यवाही को सुगमता से देखने का अवसर दिया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

LG इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने उद्योग में बनाई बढ़त: भारत में 2026 बीईई स्टार रेटेड एयर कंडीशनर लॉन्च करने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल

नई दिल्ली। गर्मियों के पीक सीजन से पहले, LG इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड (LGEIL), सबसे भरोसेमंद ब्रांड (इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में)* ने घोषणा की है कि वह 2026 के नए ब्यूरो ऑफएनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) स्टार रेटिंग मानकों के पूरी तरह अनुरूप एयर कंडीशनरों की व्यापक रेंज पेश करने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल है। LGEIL की यह अग्रिम पहल सुनिश्चित करती है कि भारतीय उपभोक्ताओं को आज ही सबसे उन्नत और ऊर्जा-कुशल कूलिंग तकनीक उपलब्ध हो सके। नए बीईई मानक ऊर्जा दक्षता के स्तर में एक बड़ा बदलाव दर्शाते हैं, जिससे पूरे उद्योग के लिए मानक और ऊंचे हो गए हैं और भारत को वैश्विक ऊर्जा प्रदर्शन मानकों के अनुरूप लाया गया है। LGEIL ने अपने पोर्टफोलियो को पहले ही अपग्रेड कर लिया है, जो उसकी स्थिरता और जिम्मेदार उत्पाद विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

2026 लाइनअप की मुख्य विशेषताएं: बेहतर ऊर्जा बचत: नए मानक घरेलू स्तर पर बिजली की खपत को काफी कम करने के लिए बनाए गए हैं। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, 2026 मानकों के तहत नया 5- स्टार एसी अपनाने से उपभोक्ता 10 वर्षों में लगभग 19,000 तक की बचत कर सकते हैं, जो उपयोग और बिजली दरों पर निर्भर करेगा।

मोटोरोला ने मोटोरोला सिग्नेचर के साथ भारत में फ्लैगशिप सेगमेंट को अपग्रेड किया

मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर तथा भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज भारत में मोटोरोला सिग्नेचर को लॉन्च किया है। यह अल्ट्रा-प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन बेहद लग्ज़री है, और अपने सेगमेंट में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है। इसे उन उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया है जो बेजोड़ उत्कृष्टता चाहते हैं, सिग्नेचर फ्लैगशिप अनुभव को दुनिया के पहले कैमरा इनोवेशन, शानदार लग्जरी क्राफ्टमैनशिप, नेक्स्ट-जेनरेशन परफॉर्मेंस और क्यूरेटेड लाइफस्टाइल प्रिविलेज के साथ फिर से परिभाषित करता है। इस प्रीमियम इकोसिस्टम को और मजबूत करते हुए, मोटोरोला ने मोटो वॉच पावर्ड बाय पोलर भी लॉन्च की है, जो टाइमलेस वॉच डिजाइन में सेगमेंट-अग्रणी वेलनेस ट्रैकिंग देती है। मोटोरोला सिग्नेचर में दुनिया का एकमात्र ट्रिपल सोनी लिटिया™ प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम है, जिसे डीएक्सओमार्क गोल्ड लेबल सर्टिफिक्रेशन की मान्यता मिली है और वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में यह असाधारण फोटो और वीडियो परफॉर्मेंस देता है। डीएक्सओमार्क के कैमरा परफॉर्मेंस इंडेक्स पर 164 के कैमरा स्कोर के साथ, मोटोरोला सिग्नेचर 100,000 रुपये के सेगमेंट में भारत का नंबर 1 कैमरा फोन बन गया है। सिस्टम के केंद्र में 50MP सोनी लिटिया™ 828 मेन कैमरा है, जो अब तक का सबसे बड़ा 50MP सेंसर है।

यह सिनेमैटिक इमेजिंग देता है, जिसमें डॉल्बी विजन0 वीडियो रिकॉर्डिंग 8K और 4K में 60fps तक, क्वाड पिक्सल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड नॉइज रिडक्शन और 3.5ए ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन शामिल है, जो किसी भी तरह की रौशनी में बेहद सटीक परिणाम देता है। इसमें 50MP सोनी लिटिया™ 600 पेरिस्कोप कैमरा भी दिया गया है, जिसमें 3× ऑप्टिकल जूम, OIS और 100× तक सुपर जूम प्रो है; साथ ही 50MP अल्ट्रा-वाइड + मैक्रो विजन कैमरा 122ए फील्ड ऑफ व्यू और क्लोज-फोकस मैक्रो कैपेबिलिटी के साथ आता है। 50MP सोनी लिटिया™ 500 फ्रंट कैमरा 4K वीडियो 60fps पर सपोर्ट करता है। पूरे कैमरा सिस्टम को पैंटोन™ वैलिडेटेड कलर और स्किनटोन™ कैलिब्रेशन तथा मल्टीस्पेक्ट्रल 3-इन-1 लाइट सेंसर से और बेहतर बनाया गया है, जो सटीक एक्सपोजर, व्हाइट बैलेंस और शानदार कलर रिप्रोडक्शन के लिए है।

होंडा मोटर साइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने रायपुर में युवा नागरिकों को सड़क सुरक्षा सीखने के लिए जोड़ा

रायपुर: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपनी राष्ट्रव्यापी सड़क सुरक्षा पहल को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ के रायपुर में जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस अभियान में प्रो. जे. एन. पांडे उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेंट जेवियर्स हाई स्कूलऔररायन इंटरनेशनल स्कूल के 2300 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम ने छात्रों के लिए सीखने, संवाद और सड़क पर साझा जिम्मेदारी का एक खुला मंच तैयार किया, जिससे सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात व्यवहार को बढ़ावा मिला। अभियान का फोकस संरचित सत्रों के माध्यम से सड़क पर सही व्यवहार की व्यावहारिक समझ विकसित करने पर रहा। इन सत्रों में प्रतिभागियों को सुरक्षित राइडिंग के बुनियादी नियमों, ट्रैफ्फिक अनुशासन के महत्व और रोज़मर्रा की यात्रा में जागरूकता की भूमिका से परिचित कराया गया। सत्रों के दौरान प्रतिभागियों को यह समझने के लिए प्रेरित किया गया कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं है, बल्कि एक रोज़ की आदत है, जो व्यक्तिगत और सामूहिक भलाई को प्रभावित करती है। कार्यक्रम में इंटरएक्टिव लर्निंग फॉर्मेट्स शामिल किए गए, जिससे प्रतिभागी सड़क सुरक्षा से जुड़े विषयों को सक्रिय रूप से समझ सकें। सेफ्टी राइडिंग थ्योरी सत्र इस अभियान का आधार रहे, जिनके माध्यम से प्रतिभागियों को अहम संदेशों को आसान और सहज तरीके से समझने का अवसर मिला। क्षेत्र में दोपहिया वाहन रोज़मर्रा के परिवहन का अहम हिस्सा होने के कारण, इस पहल का उद्देश्य वर्तमान और भविष्य के सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच जिम्मेदार और समझदारीपूर्ण व्यवहार को बढ़ावा देना था। अभियान के दौरान दैनिक जीवन में सामने आने वाली आम सड़क परिस्थितियों पर चर्चा की गई, जिससे प्रतिभागी सीख को वास्तविक जीवन की स्थितियों से जोड़ सकें। अपने वैश्विक सुरक्षा संदेश 'सेफ्टी फॉर एवरीवन' से प्रेरित होकर, होंडा ऐसे भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है जहाँ मोबिलिटी और सुरक्षा साथ-साथ चलें। शिक्षा और शुरुआती स्तर पर संवेदनशीलता के माध्यम से, होंडा कम उम्र से ही सड़क सुरक्षा की समझ विकसित करने का प्रयास करता है, ताकि सुरक्षित व्यवहार एक सोच-समझकर किया गया प्रयास नहीं बल्कि स्वाभाविक आदत बन सके।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की सड़क सुरक्षा के प्रति सीएसआरप्रतिबद्धता: 2021 में होंडा ने वर्ष 2050 के लिए अपना वैश्विक विज़न स्टेटमेंट जारी किया, जिसमें उसने होंडा के दोपहिया और चारपहिया वाहनों से जुड़े सड़क हादसों मेंशून्य मृत्यु दरप्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया।

गणतंत्र के अमृतकाल में साहित्य उत्सव का आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर । राजधानी रायपुर के नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में आज रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह राज्यसभा के उप सभापति श्री हरिवंश के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री विष्णु श्री देव साय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन विनोद कुमार शुक्ल मंडप में किया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा तथा सुप्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता मनोज जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार श्री पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय तथा छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों के करकमलों से छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकार, जे. नंदकुमार द्वारा लिखित पुस्तक नेशनल सेल्फ्हुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की पुस्तक लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की पुस्तक तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया। उप सभापति श्री हरिवंश ने अपने संबोधन की शुरुआत छत्तीसगढ़ के महान साहित्यकार स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी साहित्य की एक समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है तथा इस प्रदेश ने अपनी स्थानीय संस्कृति को सदैव मजबूती से संजोकर रखा है। रायपुर साहित्य उत्सव के आयोजन में अत्यंत रचनात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कबीर के काशी से गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा से भी उनका विशेष जुड़ाव रहा है। उप सभापति श्री हरिवंश ने कहा कि एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है, निराशा से उबारता है और जीवन जीने का साहस प्रदान करता है। उपसभापति श्री हरिवंश ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक ने गरियाबंद में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक ने शुक्रवार को गरियाबंद के जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले में संचालित प्रमुख शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं तथा सेवा प्रदाय तंत्र की समग्र प्रगति की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में मनरेगा आयुक्त श्री तारन प्रकाश सिन्हा, एनआरएलएम के प्रबंध संचालक श्री अश्विनी देवांगन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के उप सचिव श्री सच्चिदानंद आलोक, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रखर चंद्राकर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव श्रीमती बारिक ने ग्रामीण विकास से संबंधित प्रमुख योजनाओं—प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान), पंचायत एवं ग्रामीण अधोसंरचना विकास, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवाओं तथा राज्यपाल द्वारा गोद लिए गए ग्राम बिजली की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। प्रमुख सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिक योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय, कार्यों की नियमित निगरानी तथा लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृति, निर्माण प्रगति एवं भुगतान की स्थिति की सतत निगरानी करने के निर्देश देते हुए उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप समय पर आवास पूर्ण कराने पर बल दिया। मनरेगा अंतर्गत सृजित श्रम दिवसों, सामुदायिक एवं व्यक्तिगत लाभ के कार्यों, जल संरक्षण एवं संवर्धन गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने पूर्ण पारदर्शिता एवं सटीक अभिलेख संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव सुश्री निहारिका बारिक ने राज्यपाल के गोद ग्राम बिजली का किया निरीक्षण

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव सुश्री निहारिका बारिक ने गरियाबंद जिले में स्थित राज्यपाल श्री रामेन डेका जी के गोद ग्राम बिजली (मड़वाडीह) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, आजीविका गतिविधियों एवं मूलभूत सुविधाओं की प्रगति का गहन अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बी.एस. उईके, प्रधानमंत्री आवास मिशन के डायरेक्टर श्री तारण प्रकाश सिन्हा, एसबीएम एवं एनआरएलएम डायरेक्टर श्री अश्वनी देवांगन, संयुक्त सचिव श्री एस. आलोक, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रखर चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रमुख सचिव सुश्री बारीक ने ग्राम पंचायत बिजली (मड़वाडीह) में ग्रामीणों एवं महिला स्व-सहायता समूहों से संवाद करते हुए समूहों द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी योजना की जानकारी साझा करते हुए बताया कि पूर्व में यह योजना 100 दिनों की कार्य अवधि तक सीमित थी, जिसे बढ़ाकर अब 125 दिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीणों की आजीविका को वैधानिक संरक्षण मिलने के साथ-साथ उनके जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मजदूरी भुगतान साप्ताहिक आधार पर अथवा किसी भी स्थिति में कार्य समाप्ति के 15 दिवस के भीतर किया जाना अनिवार्य है। स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा के दौरान प्रमुख सचिव ने ग्राम मड़वाडीह की श्रीमती मिथलेश्वरी ध्रुव से संवाद किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर 1200 फीट की सेंट्रिंग प्लेट खरीदी गई है, जिसके माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक साथ लगभग चार आवासों में निर्माण कार्य किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मात्र चार माह में लगभग 30 लाख रुपये की आय अर्जित की गई है, जो कुल व्यय का लगभग एक-चौथाई है। प्रमुख सचिव ने जिले में लखपति दीदियों की संख्या में हो रही निरंतर वृद्धि को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण का सकारात्मक संकेत बताया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने जल जीवन मिशन अंतर्गत घर-घर जल आपूर्ति की स्थिति की भी जानकारी ली। इसके साथ ही जय फणीश्वर एग्रो महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा त्रिवेणी ब्रांड नाम से हल्दी एवं मिर्च की पैकिंग एवं विपणन गतिविधियों का अवलोकन किया।

प्रशस्ति पत्र और डेढ़-डेढ़ लाख की सम्मान राशि से 239 विद्यार्थी सम्मानित

10वीं और 12वीं परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। ये 2024 एवं 2025 के टॉप 10 मेधावी और विशेष पिछडी जनजाति के टॉप 01 विद्यार्थी है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

प्रशस्ति पत्र और डेढ़-डेढ़ लाख की सम्मान राशि से 239 विद्यार्थी सम्मानित

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षाएं हमारे जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रथम सीढ़ी है। आपने एक पड़ाव पार किया है अब अगले पड़ाव की ओर जा रहे है। जहां एक ओर इस सफलता की प्रेरणा आपको नवीन ऊर्जा के साथ प्रगति का रास्ता प्रशस्त करती है और वहीं यह सम्मान अन्य विद्यार्थियों को मेहनत, लगन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपार संभावनाओं का प्रदेश है। ''धान का कटोरा'' कहा जाने वाला हमारा राज्य अब शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति बहुत उन्नत है। हमें अपने राज्य की सनातन संस्कृति पर गर्व का भाव होना चाहिए। श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी आईआईटी, नीट की परीक्षा देकर इंजीनियरिंग और मेडिकल मे जाना चाहते है लेकिन सभी को सफलता नहीं मिलती है। इसके लिए निराश होने की जरूरत नहीं हैं। नए-नए विषय है जहां आप कैरियर की ऊची उड़ान भर सकते है। धैर्य के साथ आगे बढ़े। गिरना बडी बात नहीं है गिर कर खड़े होना महत्वपूर्ण है। सपना बड़ा होना चाहिए। सपनें को पूरा करने के लिए साधना और अभ्यास करना होता है। उन्होंने मौलिकता और नवाचार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के बच्चें शिक्षा में आगे बढ़ रहे है, यह बहुत सराहनीय है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी हमारे देश एवं प्रदेश के भविष्य हो। आप लोगों के कंधे पर देश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आज जो सफलता आप सभी छात्रों को मिली है निश्चित ही इस सफलता के पीछे आपके शिक्षक गुरुओं एवं माता पिता के आशीर्वाद है। उनके आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं है। इस दौरान उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन और बसंत पंचमी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा हम सब पर सदैव मां सरस्वती का आशीर्वाद बना रहें। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने बताया कि सत्र 2024 एवं 2025 के 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के 239 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप मेडल, प्रशस्ति पत्र और प्रत्येक विद्यार्थी को डेढ़-डेढ़ लाख की राशि सीधे उनके खाते में दी गई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को दिए इस प्रोत्साहन से शिक्षा के प्रति उनका रूझान बढ़ेगा और दूसरे विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में वर्ष 2024 के 110 और वर्ष 2025 के 129 टापर विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल प्रदान किया गया साथ ही विशेष पिछड़ी जनजाति के विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया।

संपादकीय

भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं

अभी भारत के श्रीलंका में हस्तक्षेप करने की जरूरत सिर्फ स्टालिन को महसूस हो सकती है, जिनकी चुनावी रणनीति में तमिल भावनाओं का उभारना महत्त्वपूर्ण पहलू हो सकता है। मगर ऐसा करना भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं होगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से श्रीलंका में नया संविधान तैयार करने की प्रक्रिया में दखल देने की अतार्किक मांग की है। कहा जा सकता है कि इस संबंध में प्रधानमंत्री को लिखा गया उनका पत्र राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। पहली बात तो यह कि श्रीलंका के नए संविधान का प्रारूप अभी जारी नहीं हुआ है। बल्कि 2026 के बजट में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है- यानी इस वर्ष संविधान निर्माण प्रक्रिया के आगे बढ़ने की संभावना नहीं है। अब तक जितनी जानकारियां उपलब्ध हैं, उनके मुताबिक श्रीलंका सरकार का इरादा उसी तरह का संविधान बनाना है, जिसका वादा उसने 2024 के चुनाव में किया था। सत्ताधारी नेशनल पीपुल्स पॉवर पार्टी का वादा संसदीय शासन प्रणाली की वापसी, दो सदनों वाली संसद की स्थापना, सभी नागरिकों के बीच समानता एवं सत्ता के सार्थक बंटवारे को सुनिश्चित करने, सत्ता के विकेंद्रीकरण आदि के प्रावधान नए संविधान में शामिल करने का है। फिर गौरतलब है कि 2024 में दशकों बाद श्रीलंका में ऐसा चुनाव हुआ, जिसमें तमिल और सिंहली बहुल इलाकों से एक जैसा जनादेश आया। उससे वहां सिंहली- तमिल विभाजन पटने की संभावना बनी है। इसलिए अभी भारत के वहां हस्तक्षेप करने की जरूरत सिर्फ स्टालिन को महसूस हो सकती है, जिनकी अगले विधानसभा चुनाव की रणनीति में तमिल भावनाओं का उभारना महत्त्वपूर्ण पहलू हो सकता है। मगर ऐसा करना भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं होगा। यह याद रखना चाहिए कि नेपाल में संविधान निर्माण के समय मधेसी अधिकारों के लिए भारत की तरफ से बनाए गए दबाव पर वहां विपरीत प्रतिक्रिया हुई थी। उस कारण दोनों देशों के संबंध में दीर्घकालिक दरार पड़ गई। फिलहाल श्रीलंका के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करना- और वह भी जब अभी यह जाहिर नहीं है कि तमिलों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है- खुद को नुकसान पहुंचाने वाला कदम होगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने भारत और चीन से अपने संबंधों के बीच संतुलन बनाते हुए भारत की चिंताओं पर उचित ध्यान दिया है। इस घटनाक्रम के बीच कड़वाहट पैदा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

भारत की विदेश नीति का अमृतकाल!

हरिशंकर व्यास

भारत की विदेश नीति शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के सिद्धांत पर आधारित रही है। लेकिन आज स्थिति है कि दक्षिण एशिया में, जहां आबादी और भौगोलिक कारणों से भारत को दादा होना चाहिए था वहां भी कोई देश भारत की बात नहीं सुन रहा है। न किसी देश में भारत के लिए प्यार बचा है और न किसी के मन में भारत की चिंता या भय है। नेपाल इसकी मिसाल है। बड़ी मुश्किल से नेपाल ने भारत के दो सौ और पांच सौ रुपए की नोट रखने और स्वीकार करने की इजाजत दी है। उसने एक दशक से ज्यादा समय से भारत की एक सौ रुपए से ऊपर के मूल्य की मुद्राओं को स्वीकार करना बंद कर दिया था। अब भी एक सीमा लगाई गई कि कोई भी भारतीय या नेपाली नागरिक दो सौ या पांच सौ रुपए के नोट 25 हजार रुपए से ज्यादा नहीं रख सकता है।

नेपाल एक समय दुनिया का एकमात्र हिंदू राष्ट्र माना जाता था।

भगवान शिव के द्वादश ज्योर्लिंगों में से एक पशुपतिनाथ का मंदिर काठमांडू में है। लोग तीर्थाटन करने से लेकर घूमने और व्यापार करने के लिए नेपाल जाते थे। बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से के लोगों की रिश्तेदारियां नेपाल में हैं। दोनों तरफ शादियां होती रही हैं। लेकिन धीरे धीरे नेपाल कूटनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से भारत से दूर हो गया है। नेपाल के लोगों में भारत के प्रति अविश्वास है। भारत के नेताओं के बयानों और सरकार के कई फैसलों ने लोगों को नाराज किया है। नेपाल में हिंदी फिल्मों का बहिष्कार होता है। भारत की मुद्रा का तिरस्कार होता है। लोग भारत विरोधी नारे लगाते हैं। सीमा के पास खेतों में काम करने वाले लोगों पर हमले होते हैं। नेपाल कालापानी और लिपूलेख जैसे भारत के इलाकों को अपना बताता है। चीन की कूटनीति नेपाल पर हावी है और भारत उससे दूर हो गया है। नेपाल के साथ भारत के संबंध कभी भी पहले जैसे होंगे इसमें अब संशय है। चीन की मदद से पाकिस्तान के लोगों की नेपाल में कद्र है लेकिन भारत के हिंदू बेगाने हो रहे हैं।

बांग्लादेश का निर्माण भारत ने कराया था। भारत की तत्कालीन सरकार ने मुक्ति वाहिनी की लड़ाई को हर तरह से मदद दी थी। पाकिस्तान की सेना ने भारत के सामने सरेंडर किया था और भारत ने सबसे पहले एक स्वतंत्र देश के तौर पर बांग्लादेश को मान्यता दी थी। लेकिन आज बांग्लादेश में सबसे ज्यादा नफरत भारत से है और हिंदुओं से है। आए दिन हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। उनको देश छोड़ने या धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया जा रहा है। नेपाल में चीन और पाकिस्तान का अड्डा बन रहा है। पाकिस्तान के ढाका स्थित उच्चायोग से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी भारत विरोधी साजिशें कर रहे हैं। कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हो रही हैं और सीमा पर भारत की स्थिति कमजोर होती जा रही है।

कमोबेश यही हाल हर पड़ोसी के साथ है। चीन के साथ सीमा का विवाद है और घनघोर अविश्वास है। भारत एक तरह से चीन का आर्थिक उपनिवेश बन गया है फिर भी चीन की नजर भारत के अरुणाचल प्रदेश पर है। वह बांग्लादेश, पाकिस्तान, म्यांमार और श्रीलंका के जरिए भारत को घेरे हुए है। श्रीलंका के आर्थिक संकट में भारत ने सबसे पहले मदद की लेकिन श्रीलंका का झुकाव लगातार चीन की ओर है। म्यांमार की सैनिक तानाशाही चीन के असर में है। पाकिस्तान तो ऑपरेशन सिंदूर के बाद शेर हो गया है और दक्षिण एशिया के दादा की तरह बरताव कर रहा है। बांग्लादेश, नेपाल हर जगह उसके ठिकाने बन रहे हैं। ऐसे ही मालदीव भी चीन का मोहरा बना है। लगभग हर पड़ोसी के साथ भारत का सामरिक टकराव स्थाई होता है। मगर सत्ता के चश्मे से क्या दिख रहा है? भारत की विदेश नीति का अमृतकाल!

महाराष्ट्र में भाजपा के विकास एवं विश्वास की निर्णायक जीत

ललित गर्ग

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न शहरी निकाय चुनाव राज्य की राजनीति की दिशा, प्रवृत्ति और भविष्य का संकेत देने वाला एक बड़ा जनादेश बनकर सामने आए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महाराष्ट्र की राजनीति अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। यह बदलाव केवल सत्ता के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, जन अपेक्षाओं और लोकतांत्रिक व्यवहार में गहरे परिवर्तन का द्योतक है। इन चुनावों ने जहां भगवा राजनीति की वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति को नए सिरे से रेखांकित किया है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच एवं विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया है। यह सफलता ऐसे समय में मिली है जब विधानसभा चुनावों में विपक्ष को करारी शिकस्त दिए जाने को अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। इसके बावजूद राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन का दबदबा यह दर्शाता है कि यह जीत क्षणिक नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ राजनीतिक प्रवाह का परिणाम है। इन परिणामों ने राष्ट्र का ध्यान इसलिए अपनी ओर खींचा, क्योंकि इन चुनावों को मिनी विधानसभा चुनावों की संज्ञा दी गई थी। दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व का प्रतीक रहे बृहन्मुंबई नगर निगम, यानी बीएमसी में शिवसेना का दशकों पुराना किला ढ़ह गया, बीएमसी एवं राज्यभर के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना एवं उसका दबदबा कायम होना, एक बड़े राजनीतिक बदलाव का सबसे सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की राजनीतिक सोच और कार्यशैली इस पूरे परिदृश्य में एक निर्णायक कारक के रूप में उभरकर सामने आई है। फड़णवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति को केवल सत्ता संतुलन की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि उसे दीर्घकालिक विकास दृष्टि से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे व्यापक राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता, निवेश अनुकूल वातावरण और सुशासन को उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। उनकी राजनीति भावनात्मक उत्तेजना या तात्कालिक लोकप्रियता पर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, प्रशासनिक दक्षता और भविष्य की तैयारी पर आधारित रही है। मुंबई से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा तक विकास की समान अवधारणा, शहरी-ग्रामीण संतुलन और रोजगार सृजन पर जोर उनकी सोच को प्रतिबिंबित करता है। इस महाविजय के पीछे फड़णवीस की रणनीति के चार प्रमुख स्तंभ रहे हैं- हिंदुत्व और विकास का संतुलन, लोकल मुद्दों पर फोकस, विपक्ष पर प्रभावी जवाब और जनता के साथ जुड़ाव। यही कारण है कि स्थानीय निकाय चुनावों में जनता ने उन्हें केवल एक प्रशासक के रूप में नहीं, बल्कि एक दूरदृष्टा नेतृत्वकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जो राष्ट्रीय अवधारणा गढ़ी गई, देवेंद्र फड़णवीस ने उसे महाराष्ट्र की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यही दृष्टि महायुति की सफलता की वैचारिक रीढ़ बनती दिखाई देती है। बीएमसी का महत्व केवल राजनीतिक प्रतीकात्मकता तक सीमित नहीं है। यह देश का सबसे धनी नगर निगम है, जिसका 2025-26 का बजट 74,427 करोड़ रुपये का है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। इसीलिये बीएमसी शिवसेना का आर्थिक संबल थी, क्योंकि भ्रष्ट तौर-तरीकों के कारण नगर निकाय का पैसा उसके नेताओं के पास पहुंचता था। बीएमसी के इसी भ्रष्टाचार के कारण मुंबई अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में विकसित नहीं हो पा रही थी। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण का अर्थ है नीतिगत प्राथमिकताओं, शहरी विकास की दिशा और संसाधनों के उपयोग पर निर्णायक प्रभाव। भाजपा नेतृत्व वाली महायुति की सफलता यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में मुंबई का प्रशासनिक और विकासात्मक स्वरूप नए सिरे से गढ़ा जाएगा। मुंबई को खराब सडकों, ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से त्रस्त शहर की छवि से मुक्त करना भाजपा की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए। इन चुनावों का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि दो दशक बाद ठाकरे परिवार से जुड़ी पार्टियां एकजुट होकर मैदान में उतरीं, फिर भी वे महायुति की लहर को रोकने में असफल रहीं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की प्रतीकात्मक एकता मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर सकी। इसी तरह शरद पवार और अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों का पूणे में गठबंधन भी बुरी तरह विफल रहा। यह पराजय उन राजनीतिक परिवारों के लिए एक चेतावनी है, जिन्होंने लंबे समय तक राज्य की राजनीति में वर्चस्व बनाए रखा था।

इन परिणामों से यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र की जनता ने क्षेत्रीय संकीर्णता और पुराने नारों की बजाय विकास, स्थिरता और विश्वास की राजनीति को प्राथमिकता दी है। 'मराठी मानुष' जैसे भावनात्मक मुद्दे इस बार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल सके। मतदाताओं ने यह संकेत दिया है कि वे अपनी आकांक्षाओं को केवल पहचान की राजनीति में सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि वे बेहतर बुनियादी ढांचे, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की स्पष्ट दृष्टि चाहते हैं। इन स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की हाशिये पर मौजूदगी भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह स्थिति कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का अवसर है। महाराष्ट्र जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य में उसकी कमजोर होती पकड़ यह सवाल उठाती है कि क्या पार्टी बदलते राजनीतिक परिदृश्य को समझने और उसके अनुरूप रणनीति बनाने में विफल हो रही है। महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर भी इन परिणामों ने प्रश्नचिह्न लगा दिया है। इसके घटक दल पहले ही प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और यह पराजय उस संघर्ष को और कठिन बना देती है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ठाकरे और पवार जैसे परिवारों को अब अपनी राजनीति का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। केवल विरासत और अतीत की उपलब्धियों के सहारे राजनीति नहीं चलाई जा सकती। जनता अब जवाबदेही, परिणाम और स्पष्ट दिशा चाहती है। इसके विपरीत भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह चुनाव जीतने का गणित अच्छी तरह समझ चुकी है। मजबूत बूथ मैनेजमेंट, कैडर आधारित संगठन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक व सांगठनिक संबल उसकी सफलता की आधारशिला बने हैं। यही कारण है कि भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे निकली, बल्कि कई स्थानों पर अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी। इन चुनावों का व्यापक अर्थ केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। यह परिणाम राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक संकेत हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास, विकास और आश्वासन की राजनीति को जनता लगातार समर्थन दे रही है। यह राजनीति केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर बदलाव की अनुभूति कराती है। अंधेरों के बीच रोशनी की किरण की तरह यह राजनीति आम नागरिक को यह विश्वास दिलाती है कि उसका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। इससे राजनीतिक परिभाषाएं ही नहीं बदलीं, बल्कि इंसान की सोच में भी परिवर्तन आया है। मतदाता अब भावनात्मक उकसावे से अधिक ठोस उपलब्धियों और संभावनाओं को महत्व देने लगा है।

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव इस बदलाव का सशक्त उदाहरण हैं। बड़े-बड़े दावे करने वालों के बोल ध्वस्त हुए हैं और विकास की राजनीति आगे बढ़ी है। जनता देश को एक नई दिशा, एक नए लोकतांत्रिक परिवेश और एक नई राजनीतिक संस्कृति में देखना चाहती है। यह संस्कृति केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन के तौर-तरीकों में बदलाव की मांग करती है। पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासन अब केवल नारे नहीं, बल्कि जन अपेक्षा बन चुके हैं। बीएमसी जैसे शक्तिशाली संस्थान में भाजपा का वर्चस्व न केवल मुंबई की सत्ता संरचना को बदलेगा, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति की धुरी को भी नए सिरे से परिभाषित करेगा। यह जीत बताती है कि लोकतंत्र में वही राजनीतिक ताकत टिकाऊ होती है, जो समय के साथ खुद को बदलने, जनता की नब्ज पहचानने और विकास को केंद्र में रखने का साहस रखती है। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों ने इसी सच्चाई को एक बार फिर उजागर किया है।

पांच साल बाद भी कांग्रेस नहीं समझ पाई

अजीत द्विवेदी

चुनाव में कांग्रेस ने राज्य की 20 में से 19 सीटों पर जीत हासिल की। राहुल गांधी अमेठी की पारंपरिक सीट से हार गए थे लेकिन केरल की वायनाड सीट से रिकॉर्ड वोटों से जीते। वे दो साल केरल की राजनीति में सक्रिय भी रहे लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह से चुनाव हार गई। कांग्रेस के नेता आजतक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे कि आखिर केरल में हारे कैसे। यह गुत्थी कांग्रेस के लिए चिंता की बात इसलिए है क्योंकि आजादी के बाद से केरल में पांच साल पर सत्ता बदलने का रिवाज रहा है। लेकिन वह रिवाज 2021 में टूट गया। सीपीएम के नेतृत्व वाला लेफ्ट मोर्चा लगातार दूसरी बार चुनाव जीता। इससे पहले इसी तरह का रिवाज तमिलनाडु में टूटा था, जहां 2016 में अन्ना डीएमके लगातार दूसरी बार जीत गई थी। लेकिन 2021 में डीएमके ने शानदार वापसी की और बड़ी जीत हासिल की।

सो, कांग्रेस को उम्मीद है है कि 2021 का चुनाव अपवाद रहा और इस बार वह बड़ी जीत हासिल करेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया और इस बार तो 20 में से 20 सीटें जीत गई। कांग्रेस को सिल्वर लाइनिंग स्थानीय निकाय चुनाव में दिखी है। दिसंबर में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने बड़ी जीत दर्ज की और छह नगरीय निकायों में से चार में कांग्रेस का एक में सीपीएम का मेयर बना। एक तिरूवनंतपुरम का मेयर पद भाजपा के खाते में गया। ध्यान रहे 2019 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद 2020 में कांग्रेस स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ गई थी। इस बार ऐसा नहीं हुआ है। इस बार लोकसभा और स्थानीय निकाय दोनों में कांग्रेस का गठबंधन जीता है। सो, 2021 जीतने का भरोसा है।

आमतौर पर केरल के बारे में हिंदी पट्टी में बहुत सी गलत धारणाएं हैं। जैसे यह धारणा है कि वहां मुस्लिम और ईसाई आबादी 45 फीसदी के करीब है तो ये दोनों ही तय करेंगे कि किसकी सरकार बनेगी। लेकिन असल में केरल की राजनीति 55 फीसदी हिंदू तय करते हैं। केरल के ब्राह्मण राजनीति में अहम भूमिका अदा करते हैं तो पिछड़ी जातियां खास कर एझवा का भी अहम रोल होता है। ऐसे ही एझवा के एक बड़े और लोकप्रिय नेता वेल्लापल्ली नतेशन को साथ लेकर मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन घूम रहे हैं। नतेशन मुस्लिम विरोधी भाषणों के लिए चर्चित रहे हैं फिर भी विजयन उनको साथ रखे हुए हैं तो कारण यह है कि अगर मुस्लिम वोट कांग्रेस की ओर रूझान दिखाता है तो पिछड़ी जातियों के वोट लेफ्ट के साथ जुड़ें। कांग्रेस के पास एझवा समुदाय के दिग्गज नेता वायलार रवि थे लेकिन उनके नहीं रहने के बाद इस स्पेस में कांग्रेस की राजनीति कमजोर हुई है। पारंपरिक रूप से केरल के ब्राह्मण लेफ्ट पार्टियों का समर्थन करते रहे हैं।

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने हिंदू वोटों की गोलबंदी की राजनीति तेज की है। उसका वोट प्रतिशत हर चुनाव के साथ बढ़ रहा है। उसे पिछले विधानसभा चुनाव में 12 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे। हालांकि उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 19 फीसदी से ज्यादा वोट मिले और उसका खाता भी खुला। त्रिशुर में सुरेश गोपी चुनाव जीते तो तिरूवनंतपुरम में राजीव चंद्रशेखर सिर्फ 16 हजार वोट से शशि थरूर के हाथों हारे। पांच लोकसभा सीटों पर भाजपा को दो लाख से ज्यादा वोट मिले, जिनमें से दो सीटों पर उसके वोट तीन लाख से ज्यादा थे। तभी भाजपा अब एक बड़ी ताकत के तौर पर इस बार चुनाव मैदान में उतर रही है। अगर उसे ओवरऑल 20 फीसदी वोट मिलता है और तिरूवनंतपुरम, त्रिशुर, कासरगौड, अलापुझा आदि इलाकों में फोकस करके वह चुनाव लड़ती है तो वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है और यह कांग्रेस व लेफ्ट दोनों के लिए चिंता की बात होगी।

अगर कांग्रेस की बात करें तो गुटबाजी उसके लिए सबसे बड़ी समस्या है। केरल कांग्रेस में कई गुट हैं और कोई एक केंद्रीय नेता नहीं है। जब तक एके एंटनी सक्रिय थे तब तक केरल के फैसले वे करते थे। उनके साथ वायलार रवि और ओमन चांडी भी बड़े नेता थे। उनके बाद रमेश चेन्निथला धुरी बन सकते थे लेकिन राहुल गांधी के प्रयोगों के कारण केसी वेणुगोपाल बड़े नेता बन गए हैं। उनके अलावा वीडी सतीशन, के सुधाकरन, सनी जोसेफ सहित कई और नेता हो गए हैं। कम से कम आधा दर्जन नेताओं ने अपने गुट बनाए हैं। यह आम धारणा बनी है कि अगर कांग्रेस जीती तो वेणुगोपाल मुख्यमंत्री हो सकते हैं।

इस तरह की बातों से कांग्रेस का प्रचार बिखरा हुआ दिख रहा है। शशि थरूर वैसे तो अब कांग्रेस लाइन पर ही चलने की बात कर रहे हैं लेकिन उनकी राजनीति का ऊंट चुनाव तक किस करवट बैठेगा यह नहीं कहा जा सकता है। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड सीट से सांसद हैं और वे अगर सक्रिय होकर पार्टी को एकजुट करने की कोशिश करती हैं तभी कांग्रेस मजबूती से लड़ने के लिए आगे बढ़ेगी। दूसरी समस्या इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की ज्यादा सीटों की मांग है। पिछली बार वह 20 सीटों पर लड़ी थी लेकिन इस बार वह सीधे दोगुनी सीटों की मांग कर रही है। कांग्रेस केरल की 140 में से एक सौ से ज्यादा सीटों पर लड़ना चाहती है। उसे मुस्लिम लीग के अलावा केरल कांग्रेस के दो और आरएसएपी के दो खेमों को एडजस्ट करना होता है। तीसरी समस्या मुस्लिम वोट पर कांग्रेस की निर्भरता की है। कांग्रेस के लिए अच्छी बात यह है कि भाजपा से लड़ने वाली इकलौती मजबूत ताकत के तौर पर कांग्रेस और राहुल गांधी को देखा जा रहा है। इसलिए हो सकता है कि मुस्लिम और ईसाई दोनों भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस का साथ दें। दूसरी ओर लेफ्ट के गठबंधन की चुनौती 10 साल की एंटी इन्कम्बेंसी की वजह से है। 10 साल से पिनरायी विजयन मुख्यमंत्री हैं और इस दौरान गोल्ड स्मलिंग से लेकर कई तरह के आरोप भी लगे हैं। उनकी बेटी के खिलाफ ईडी की जांच चल रही है। सहयोगी पार्टी सीपीआई ने केंद्रीय मदद के लिए भाजपा के एजेंडे पर सरकार चलाने के आरोप लगाया है तो मुस्लिम विरोधी वेल्लापल्ली नतेशन के साथ विजयन के संबंधों को लेकर भी निशाना साधा है। लोकसभा चुनाव और स्थानीय निकाय चुनाव में लेफ्ट की हार से पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। हालांकि लेफ्ट के नेता इस नैरेटिव पर यकीन कर रहे हैं कि केरल के लोग दिल्ली के लिए कांग्रेस और तिरुवनंतपुरम के लिए लेफ्ट को चुनेंगे। कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ और सीपीएम के नेतृत्व वाले एलडीएफ की इस सीधा लड़ाई में पहली बार भाजपा मजबूत चुनौती पेश कर रही है।

पद के अनुरूप आचरण हो तो सबको अच्छा लगता है

सुनील दास

हर क्षेत्र में कई बार ऐसा होता है कि किसी को किसी भी कारण से पद तो बड़ा मिल जाता है लेकिन पद मिलने के बाद सबको पता चलता है कि फ्लाने आदमी का कद तो इस पद के लायक नहीं है। पद तो बड़ा मिल गया है लेकिन आदमी बड़े पद के लायक नहीं है। पद तो आदमी को बड़ा मिल गया है लेकिन उसका आचरण बड़े पद के अनुरूप नहीं है।जब किसी आदमी का आचरण उसके पद के अनुरूप नहीं होता है तो उसके आचरण की आलोचना ही की जा सकती है। चार में से एक शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की इन दिनों खूब चर्चा है और आलोचना की जा रही है तो इसलिए भी की जा रही है कि उनका आचरण उनके पद के अनुरूप नहीं माना जा रहा है। देश में होने को चार शंकराचार्य हैं। तीन शंकराचार्य का आचरण उनके पद के अनुरूप होता है, वह शांत, विनम्र रहते हैं, उनकी खबरों में बनी रहने की चाह नहीं रहती है, इसलिए उनको लेकर कभी कोई विवाद नहीं होता है,उनकी आलोचना उनके किसी आचरण को लेकर नहीं होती है। चौथे शंकराचार्य अक्सर अपने आचार व विचार के कारण आए दिन चर्चा मे रहते है, उनके आचरण के लिए उनकी आलोचना संत समाज भी करता है और सामान्य लोग भी करते हैं। इस बार शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद इसलिए चर्चा में है और उनकी आलोचना इसलिए की जा रही है कि माघ मेला में स्नान के लिए उन्को पालकी पर जाने से रोक दिया गया। बस प्रशासन की इस कार्रवाई पर कि आपने हमें स्नान करने से कैसे रोका, शंकराचार्य ने अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया। धरने पर बैठ गए।धरने पर बैठना किसी शंकराचार्य को शोभा नहीं देता है। यह समझने का प्रयास नहीं करना कि प्रशासन ने उनको स्नान करने से नहीं रोका, बस यह कहा कि स्नान करने पालकी पर न जाए, पैदल जाएं, शंकराचार्य थोड़ी दूर पैदल चलकर स्नान कर सकते थे,कोई विवाद नहीं होता। प्रशासन ने शंकराचार्य से पैदल जाकर स्नान करने को इसलिए कहा कि भीड़ बहुत है,भीड़ की व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी थी, प्रशासन तो अपनी जिम्मेदारी निभा रहा था,बस उसी को शंकराचार्य ने अपना अपमान समझ लिया।उनके आचरण, उनके बयानों को देखते हुए तो लोगों को लगता है कि वह माघ मेला में स्नान करने नहीं विवाद के लिए ही आए थे। माघ मेला में विवाद हुआ गैर भाजपा दलों को राजनीति करने का मौका मिल गया है। शंकराचार्य को धरना नहीं देना था, धरना स्थल पर कांग्रेस नेताओं को नहीं बुलाना था, उनके धरना स्थल पर कांग्रेस नेता आए उन्होंने जो कहा उससे साफ हो गया है कि यह सब इसलिए किया गया है कि शंकराचार्य के अपमान के नाम पर योगी सरकार,मोदी सरकार को सनातन विरोधी बताया जा सके। देश में प्रचार किया जा सके कि योगी सरकार व मोदी सरकार सनातन समर्थक नहीं सनातन विरोधी है।कांग्रेस ने तो कई जगह माघ मेला में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से दुर्व्यवहार,मारपीट को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है ताकि वह भाजपा सरकारों को सनातन विरोधी व खुद का सनातनी साबित कर सके। हकीकत यह है कि कांग्रेस हिंदू विरोधी मानी जाती है, इसलिए मौका मिलता है तो खुद को हिंदू समर्थक साबित करने का प्रयास करती है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के आचरण की संत समाज ने भी आलोचना की है।जगद्गुरू रामभद्राचार्य ने शंकराचार्य से जुड़े विवाद पर कहा है कि शंकराचार्य के साथ कोई अनूयाय नहीं हुआ है बल्कि शंकराचार्य ने खुद नियमों का उल्लंघन किया है।रामभद्राचार्य का कहना है कि धार्मिक परंपराओं व नियमों का पालन सबको करना चाहिए।रामभ्रदाचार्य का कहना सही है कि कहीं पर व्यवस्था के लिए नियम बनाया गया है तो सबको उस नियम का पालन करना चाहिए ताकि व्यवस्था बनी रहे।

हथेली की मंगल रेखा से चमकता है भाग्य

हर व्यक्ति सुख-सुविधाओं भरा जीवन बिताना चाहता है। ज्योतिष शास्त्र कहता है कि व्यक्ति जीवन में क्या-क्या प्राप्त करेगा, यह उसके कर्म के अलावा ग्रह-नक्षत्रों पर भी निर्भर करता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हथेली में कुछ ऐसी रेखाएं होती हैं जो भाग्य में राजयोग का निर्माण करती हैं। कहते हैं कि ये रेखाएं व्यक्ति को भाग्यवान के साथ धनवान भी बनाती हैं। इनमें से एक है मंगल रेखा। हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, कहा जाता है कि जिस व्यक्ति के हाथ में मंगल रेखा होती है वे लोग लग्जरी लाइफ जीते हैं। जानें हथेली में मंगल रेखा कहां होती है और इसका प्रभाव-

हथेली में मंगल रेखा कहां होती हैं:

हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, मंगल रेखा जीवन रेखा के शुरुआती भाग से होकर निकलती है। यह ऊपर की ओर शुक्र पर्वत की ओर बढ़ती है। हथेली में मंगल रेखा की संख्या एक से अधिक भी हो सकती है। अगर यह रेखाएं मोटी और गहरी होती है, तो व्यक्ति का भाग्य मजबूत होता है। अगर मंगल रेखा जीवन रेखा से जुड़कर चलती है, तो माना जाता है कि इस रेखा का असर व्यक्ति की लाइफ पर भी पड़ता है।

मंगल रेखा का प्रभाव

1. कहा जाता है कि जिन लोगों की मंगल रेखा मजबूत होती है, वह भाग्यशाली होते हैं। ऐसे लोगों को कार्यों में जल्दी सफलता प्राप्त होती है और निराशा कम ही हाथ लगती है।

2. हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, ऐसे लोग करियर में तरक्की करते हैं। इन्हें सरकारी नौकरी में उच्च पद भी मिलता है। बिजनेस में भी यह लोग अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

3. कहा जाता है कि जिन लोगों की मंगल रेखा मजबूत होती है, उनकी लव मैरिज होती है। ऐसे लोगों की लव लाइफ व वैवाहिक जीवन अच्छा होता है।

4. हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली में मंगल रेखा उच्च होती है वे धन-धान्य से परिपूर्ण होते हैं। इनके पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं होती है।

साड़ी का ओपन पल्लू को इन टिप्स की मदद से करें सेट..

साड़ी पहनना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए हम अक्सर शादी या किसी फंक्शन में इसे वियर करते हैं। लेकिन साड़ी का पल्लू सही से सेट नहीं हो पाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हम सही तरीके को ट्राई नहीं करते हैं। इसी वजह से हमारा पल्लू सही से सेट नहीं होता है। इसके लिए हम आपको आर्टिकल में कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे। जिसे ट्राई करके आपका पल्लू सही से सेट हो जाएगा।

पल्लू के लिए लें सही लेंथ

आप अपनी साड़ी के पल्लू को सही से सेट करने के लिए आपको सबसे पहले पल्लू को सही लेंथ में लेना है। इसके बाद इसे सही से पिन करना है। बस इस बात का ध्यान रखना है कि इसके लिए आपको बॉर्डर वर्क का भी ध्यान रखना है। साथ ही, आपको ये साड़ी को सही से सेट करना है।

पल्लू पर बनाएं प्लीट्स

आप साड़ी के पल्लू को सही से सेट करने के लिए आपको खुला पल्लू लेना है। अब इसमें नीचे की तरफ प्लीट्स बनाना है। फिर इसमें पिन लगानी है। इससे आपको पल्लू को कैरी करने में दिक्कत नहीं होगी। फिर आपको अपने एक साइड दुपट्टे को सेट करने है। फिर इसमें प्लीट्स बनानी है। इससे साड़ी लुक अच्छा लगेगा।

लाइट फैब्रिक के पल्लू को सेट करना आसान

अगर साड़ी का पल्लू हल्के और पतले कपड़े का है, तो उसे थोड़ा ज्यादा टाइट करके पकड़ें और फिर पिन की मदद से सेट करें। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे साड़ी पर सिलबटे नजर नहीं आती है। साथ ही, साड़ी के पल्लू को सेट करने में आसानी हो जाती है।

पल्लू को करें सेट

अब अपने पल्लू को ओपन करके पिन करें। फिर इसे दूसरे हाथ पर प्लीट्स बनाकर सेट करें। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। इससे आपको साड़ी के पल्लू को संभालने में कोई परेशानी नहीं होगी।

फटे होंठो पर न करें इन चीजों का इस्तेमाल

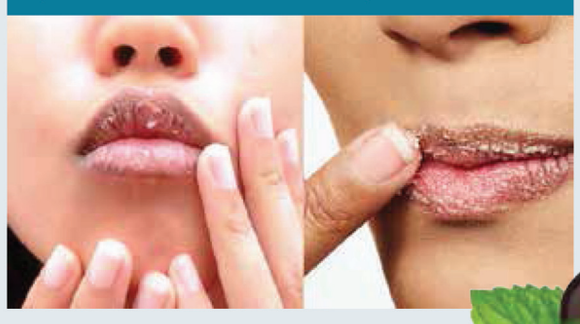

ड्राई की वजह से कई बार हम इन्हें अपने हाथ से नोचते हैं, जिससे वहां पर जख्म हो जाते हैं। लेकिन आपको अपने अगर होठों को सही रखना है, तो एक्सपर्ट के बताई इन बातों का रखें ध्यान। साथ ही, कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल करें, जिससे आपके होठों में नमी बनी रहे डॉक्टर आंचल जो की एक फेमस डर्मेटोलॉजिस्ट है उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने बताया कि आप किस तरीके से अपने फटे होठों को सही रख सकते हैं।

बदलते मौसम की वजह से हमारी पूरी बॉडी में ड्राइनेस होने लगती है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारा हाइड्रेशन लेवल कम होने लगता है। ऐसे में हम कई सारे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, ताकि स्क्रीन पर ड्राइनेस की वजह से सफेद दाग धब्बे नजर ना आए। लेकिन बाजार में मिलने वाले प्रोडक्ट का असर कुछ ही समय के लिए रहता है। इसके बाद स्किन फिर दोबारा ड्राई होने लगती है। ऐसे ही हमारे लिप्स है जो मौसम के बदलने की वजह से ड्राई होने लगते हैं।

कलर्ड लिप बाम का इस्तेमाल न करें

अक्सर हम लिप्स को पिंक दिखाने के लिए कलर्ड लिप बाम को खरीदते हैं। बाजार में कई सारे ऐसे कलर आते हैं, जो हमारे होठों में नमी को छोड़ते हैं। लेकिन उसके साथ-साथ हाथ होठों पर जरूर जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हम सोचते हैं कि हम इनमें से डेड स्किन को निकाल सके। लेकिन इसकी वजह से होठों पर जख्म बन जाते हैं और वह जलन करते हैं। कोशिश करें कि अपने होठों को कम से कम छुए साथ ही, कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल करें, जिससे होंठ मुलायम रहें।

लिप्स पर ना लगाएं टूथपेस्ट या पिपरमेंट

लिप्स को ज्यादा ड्राई देखने की वजह से हम कुछ भी इस्तेमाल कर लेते है। लेकिन आपको ऐसा नहीं करना है, इसकी वजह से आपकी स्किन और ज्यादा खराब हो जाएगी। खासकर आपको अपने लिप्स पर टूथपेस्ट और पिपरमेंट का इस्तेमाल नहीं करना। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे आपके होठों पर जलन हो सकती है और होठों पर जख्म बना सकता है। इससे बेहतर है कि आप अपने होठों के लिए घर पर ही लिप बाम को बनाएं और इसका इस्तेमाल करें।

होठों को ना करें लिक

जब भी हमारे होंठ ड्राई या फिर फटे होते हैं तो हमारी जीभ और हमारे लगा सकते हैं। ये नेचुरल होती है। इसलिए होंठों पर लगाई जा सकती है।

सर्दियों में किन लोगों को ठंडे पानी से नहीं नहाना चाहिए?

सर्दियों का मौसम है।इस मौसम में लोग गर्म पानी से नहाना प्रिफर करते हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना होता है कि सर्दियों में ठंडा पानी से नहाने से फायदा होता है। इसको लेकर लोगों की अलग-अलग राय है। एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि ठंडे पानी से नहाना फायदेमंद होता है। इससे ब्लड का सर्कुलेशन बढ़ता है, इम्यूनिटी मजबूत होती है स्किन और बालों को फायदा होता है। स्ट्रेस कम होता है। लेकिन ठंडे पानी से नहाना हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं होता। कुछ ऐसे हेल्थ कंडीशन वाले लोग होते हैं जिन्हें ठंडे पानी से नहाने से नुकसान हो जाता है।

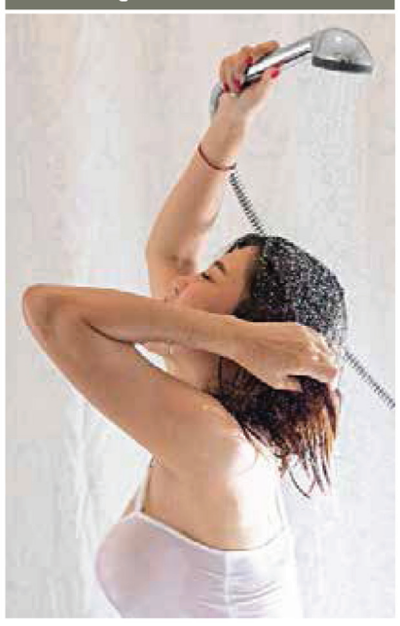

जिन लोगों को दिल की बीमारी है , पहले हार्ट अटैक आ चुका है, उन्हें ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। ठंडे पानी से नहाने से वासोकंस्ट्रक्शन होता है इस ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाती है, जिसके कारण ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। जिन लोगों को गठिया की शिकायत है, उन्हें भी ठंडे पानी से नहाने में सावधानी बरतनी चाहिए। क्योंकि ठंडा पानीजोड़ों के दर्द और सूजन को बढ़ा सकता है। जिन लोगों को

अस्थमा, क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पलमोनरी डिजीज है, उन लोगों को भी ठंडे पानी से नहाने में सावधानी बरतनी चाहिए। ठंडे पानी से नहाने से सांसों की नलिकाएं सिकुड़ सकती है जिससे इन बीमारियों के लक्षण बढ़ सकते हैं।

अगर आपको सर्दी जुकाम है तो इस दौरान भी ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। इस शरीर का तापमान बिगड़ सकता है जैसे जुकाम के लक्षण और भी गंभीर हो सकते हैं।

सेहत के लिए किस तरह का चकला बेलन फायदेमंद

भारतीय खानपान में रोटियों का अपना एक अलग ही महत्व है। खासतौर से उत्तर भारत में तो शायद ही कोई दिन जाता हो जब किसी के घर रोटियां ना बनती हों। खैर, ये तो रही रोटियों की बात लेकिन रोटियां बनाने में जिनका सबसे बड़ा हाथ होता है, आज हम उनकी बात करेंगे। जी हां, यहां चकला बेलन का जिक्र हो रहा है, जो हम सभी की रसोई का एक अहम हिस्सा बन चुके हैं। आजकल बाजार में अलग-अलग तरह के चकला बेलन मिलने लगे हैं और शायद आपको जानकर हैरानी भी हो लेकिन ये अलग-अलग वैरायटी के चकला बेलन हमारे स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकते हैं। तो चलिए आज जानते हैं कि रोटियां बनाने के लिए कौन सा चकला बेलन इस्तेमाल करना सेहत से लिहाज से फायदेमंद है और कौन सा नहीं।

लकड़ी का बना हुआ चकला बेलन

अधिकतर घरों में लकड़ी का बना हुआ चकला और बेलन इस्तेमाल में लाया जाता है। इन्हें इस्तेमाल करना काफी सहूलियत भरा होता है। ये ज्यादा वजनदार भी नहीं होते और इनपर रोटियां बनाना भी बड़ा आसान होता है। हालांकि लकड़ी का चकला और बेलन इस्तेमाल करते हुए कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। लकड़ी का होने के चलते इनपर बैक्टीरिया पनपने और फंगस लगने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में इनकी साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। इस्तेमाल के बाद इन्हें साफ कर के अच्छी तरह पोंछकर ही रखें। इन्हें कभी भी ज्यादा देर के लिए गंदा और गीला ना छोड़ें।

पत्थर का चकला बेलन

लकड़ी के बाद सबसे ज्यादा पत्थर के चकला और बेलन इस्तेमाल में लाए जाते हैं। ये देखने में भी काफी सुंदर होते हैं और इनपर रोटियां भी बड़ी अच्छी तरह बन जाती हैं। बेस्ट बात है कि पत्थर के चकला बेलन तेल भी नहीं सोखते और इनपर आटा चिपकने का भी डर नहीं होता। इनकी सफाई भी बड़ी ही अच्छी तरह हो जाती है। ऐसे में लकड़ी के चकला बेलन की तरह इनमें बैक्टीरिया पनपने और फंगस लगने का खतरा भी नहीं होता। सेहत के लिहाज से देखा जाए तो पत्थर के चकला बेलन ज्यादा बेहतर हैं।

स्टील का चकला बेलन

भारतीय रसोई में अधिकतर बर्तन स्टेनलेस स्टील के ही होते हैं। स्टील का रखरखाव करना भी बेहद आसान होता है और यह लंबे समय तक भी चलता है। ऐसे में आप स्टील का चकला बेलन भी खरीद सकते हैं। सेहत के लिहाज से भी ये फायदेमंद है क्योंकि स्टील के चकला बेलन को साफ करना भी बहुत आसान होता है। सफाई का सही ध्यान रखा जाए तो इनमें बैक्टीरिया पनपने और फंगस लगने का खतरा भी बिल्कुल ना के बराबर हो जाता है। एक बार स्टील के चकला बेलन खरीद लिए जाएं तो ये बहुत लंबे समय तक चलते हैं।

ग्लूकोमा से आंखों के लिए खतरा

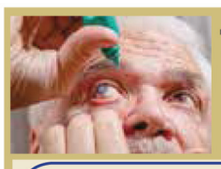

देशभर के डॉक्टरों ने स्टेरॉयड के बड़े पैमाने पर और बिना डॉक्टरी सलाह के उपयोग पर चिंता जताई है। डॉक्टर के अनुसार, इसकी वजह से सेकेंडरी ग्लूकोमा के मामले बढ़ रहे हैं, जो आंखों के लिए खतरा बन गया है और आंखों की रोशनी हमेशा के लिए छीन सकता है।

लोग आमतौर पर एलर्जी, त्वचा की समस्याओं, सांस से जुड़ी परेशानी और यहां तककि डॉक्टरी सलाह के बगैर मिलने वाले आई ड्रॉप्स के जरिए स्टेरॉयड का इस्तेमाल करते हैं, और इसके लंबे समय तक उपयोग से आँखों पर दबाव काफी बढ़ सकता है। आमतौर पर मरीजों को इसकी वजह से ऑप्टिक नर्व को होने वाले नुकसान के बारे में पता भी नहीं चलता। एक अनुमान के मुताबिक, भारत में पहले से ही ग्लूकोमा से पीड़ित लोगों की संख्या 12-13 मिलियन है, जो दुनिया भर के कुल मामलों का लगभग छठा हिस्सा है। दुनिया भर में करीब 75–80 मिलियन लोग ग्लूकोमा से जूझ रहे हैं, और अनुमान है कि साल 2040 तक यह आंकड़ा 110 मिलियन के पार पहुंच जाएगा। एक जागरूकता अभियान के तहत, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल पूरे भारत में डायबिटीज़ के मरीजों को मुफ्त में ग्लूकोमा के जांच की सुविधा दे रहा है। यह ऑफर 15 फरवरी तक मान्य है। ग्लूकोमा पूरी दुनिया में ठीक नहीं होने वाली दृष्टिहीनता का सबसे बड़ा कारण है, इसके बावजूद भारत में सही समय पर लोगों को इसका पता नहीं चल पाता। विशेष रूप से चिंताजनक बात यह है कि, देश में ग्लूकोमा के 85–90% मामलों की पहचान ही नहीं हो पाती है। यह बीमारी चुपचाप बढ़ती जाती है, और जब इसके लक्षण दिखने की शुरुआत होती है, तब तक अक्सर ऑप्टिक नर्व को इतना नुकसान हो जाता है कि उसे ठीक करना संभव नहीं। इस बीमारी का देर से पता चलने के कारण न केवल आँखों की रोशनी हमेशा के लिए चली जाती है, बल्कि इससे मरीज के जीवन-स्तर के साथ-साथ उसकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति पर भी काफी बुरा असर पड़ता है। डॉ. मनीष शाह, हेड – क्लिनिकल सर्विसेज, डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, मुंबई, के अनुसार "हम स्टेरॉयड-जनित ग्लूकोमा के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देख रहे हैं, विशेष रूप से उन मरीजों में जो बिना चिकित्सकीय निगरानी के स्टेरॉयड दवाओं या आई ड्रॉप्स का उपयोग करते हैं" बीते दो-तीन सालों में, डॉक्टरों ने ग्लूकोमा के डायग्नोस किए गए मामलों में काफ़ी बढ़ोतरी देखी है, जिसका मुख्य कारण लोगों की बढ़ती उम्र, डायबिटीज और मायोपिया के मामलों की बढ़ती संख्या, डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी में लगातार हो रही प्रगति और लोगों में बढ़ती जागरूकता है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि ज्यादातर मामले सेकेंडरी ग्लूकोमा से जुड़े हैं जो लंबे समय तक या डॉक्टर की सलाह के बिना स्टेरॉयड के लंबे समय तक इस्तेमाल की वजह से होता है। हालाँकि समय पर जांच और डॉक्टरों की सलाह से इस खतरे को आसानी से टाला जा सकता है और आँखों की रोशनी बचाई जा सकती है। ज्यादातर मामलों में 40 की उम्र के लोगों में ही ग्लूकोमा का पता चलता है, जबकि 50 से 70 साल की उम्र के बीच इसके मामले सबसे ज्यादा होते हैं। वैसे डॉक्टर अब बच्चों और कम उम्र युवाओं में भी ग्लूकोमा के बढ़ते मामले देख रहे हैं, खासकर जिनके परिवार में पहले से किसी को यह बीमारी रही हो या जिन्हें किसी और वजह से ये बीमारी होने का खतरा हो। डॉक्टरों के पास प्राइमरी ओपन-एंगल ग्लूकोमा के सबसे ज्यादा मामले आते हैं, जबकि प्राइमरी एंगल-क्लोजर के मामले दूसरे नंबर पर हैं।

टीबी के बाद कूल्हों को हुए नुकसान से युवाओं में बढ़ते AVN के खतरे

एक समय कूल्हों को गंभीर क्षति के कारण रेंगने को मजबूर 24 वर्षीय युवक आज फिर से अपने पैरों पर खड़ा होकर स्वतंत्र रूप से चल रहा है। मुंबई सेंट्रल स्थित वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स में की गई दुर्लभ और अत्यंत जटिल सिंगल-स्टेज बाइलेटरल टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद यह संभव हो पाया। यह मामला क्षयरोग (टीबी) के दीर्घकालिक दुष्परिणामों और भारत में युवाओं के बीच तेजी से बढ़ रहे एवैस्कुलर नेक्रोसिस (AVN) के एक गंभीर लेकिन अक्सर अनदेखे खतरे को उजागर करता है।

जानकारी के अनुसार, मरीज को कई वर्ष पहले टीबी हुआ था, लेकिन उपचार अधूरा रह गया। इसके कुछ वर्षों बाद उसके दोनों कूल्हों में उन्नत स्तर का AVN विकसित हो गया, जिससे जोड़ों का ध्वस्त होना, गंभीर विकृति और असहनीय दर्द उत्पन्न हुआ। धीरे-धीरे उसकी चलने और खड़े होने की क्षमता पूरी तरह समाप्त हो गई और उसे दैनिक जीवन की बुनियादी गतिविधियों के लिए रेंगने पर निर्भर रहना पड़ा।

मरीज का इलाज डॉ. सुप्रीत बाजवा, कंसल्टेंट – हिप एवं नी सर्जन, वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स, मुंबई सेंट्रल द्वारा किया गया। उन्होंने अत्यंत चुनौतीपूर्ण एकल चरण में दोनों कूल्हों की टोटल हिप रिप्लेसमेंट (THR) सर्जरी का नेतृत्व किया। मरीज के पूर्व संक्रमण इतिहास को

देखते हुए, सर्जरी से पहले यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक जांच की गई कि शरीर में सक्रिय टीबी मौजूद न हो। सूजन सूचक, इमेजिंग, ऑपरेशन के दौरान फ्रोजन सेक्शन, जीनएक्सपर्ट टेस्ट और कई टिशू कल्चर सभी नकारात्मक पाए गए, जिसके बाद सर्जरी को सुरक्षित रूप से अंजाम दिया गया।

गंभीर विकृतियों और मांसपेशियों के संकुचन के कारण यह सर्जरी तकनीकी रूप से बेहद जटिल थी। दोनों ओर मांसपेशियों को ढीला किया गया और डायरेक्ट एंटीरियर अप्रोच के माध्यम से ड्युअल मोबिलिटी इम्प्लांट्स लगाए गए, जिससे जोड़ों की स्थिरता बढ़ी और डिसलोकेशन का खतरा कम हुआ।

डॉ. बाजवा ने बताया, "यह केवल क्षतिग्रस्त जोड़ों को बदलने की सर्जरी नहीं थी। टीबी के बाद AVN से पीड़ित युवा मरीजों में हमारा उद्देश्य उनकी गतिशीलता, आत्मनिर्भरता और दीर्घकालिक जीवन गुणवत्ता को बहाल करना होता है, साथ ही संक्रमण से पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।"

देशभर में दिख रहा है यह रुझान

WHO की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2024 के अनुसार, दुनिया के कुल टीबी मामलों में से 26 प्रतिशत भारत में पाए जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, टीबी के बाद होने वाली AVN जैसी हड्डियों से जुड़ी जटिलताएं अक्सर संक्रमण के कई वर्षों बाद सामने आती हैं, विशेषकर तब जब इलाज समय पर या पूरा नहीं हुआ हो। इसका असर युवाओं में स्थायी जोड़ क्षति के रूप में दिखाई देता है। मुंबई सेंट्रल स्थित वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स में वर्ष 2022 से 2025 के बीच 1,500 से अधिक हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की गईं, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत मामलों में कारण AVN था। इनमें अधिकांश मरीजों की उम्र 20 से 45 वर्ष के बीच थी। चौंकाने वाली बात यह रही कि 70 प्रतिशत से अधिक मरीजों में स्टेरॉयड उपयोग जैसे पारंपरिक जोखिम कारक मौजूद नहीं थे, जिससे टीबी और संक्रमण के बाद होने वाले रक्तवाहिनी नुकसान की भूमिका और भी स्पष्ट होती है।

संक्षिप्त समाचार

सावनी परिक्षेत्र के ग्राम तर्रा में होगा ठेठवार यादव समाज का वार्षिक अधिवेशन, बैठक में लिया निर्णय

पाटन। ठेठवार समाज पाटन राज की कार्यकारिणी बैठक ठेठवार भवन, गाड़ाडीह में आयोजित की गई। बैठक में समाज के वार्षिक सम्मेलन के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 17 मार्च को सावनी परिक्षेत्र के ग्राम तर्रा में वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में अध्यक्ष ईश्वर यादव, सचिव अश्वनी यादव, उपाध्यक्ष संतोष यादव सहित जितेन्द्र यदु (सावनी), संतोष यादव, बिसनाथ यादव, चंद्रपाल यादव, चितरंजन यादव, देव कुमार, शशी यादव, नेतराम यादव, बेदलाल, पवन यादव, राजकुमार यादव माहतो, भुनेश्वर यादव, कमलेश यादव तथा समाज के अनेक पदाधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी पर्व पर न्योता भोज का आयोजन:

साजा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला चीजगांव में बसंत पंचमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने मां सरस्वती की विधिवत पूजा की । मां से विवेक एवं ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रार्थना की गई। सहायक शिक्षक परमानंद तिवारी ने बसंत पंचमी के महत्व को बताया। पंचमी के शुभ अवसर पर न्योता भोज करवाया गया। न्योता भोज में खीर-पूड़ी, मिष्ठान,केला एवं अंगूर परोसी गई। प्रसाद में सेब,केला, लायचीदाना , मूंगफली व नारियल बांटी गई। इस दौरान ग्राम पंचायत चीजगांव सरपंच भगेला साहू, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक लोकेश साहू, सहायक शिक्षक परमानंद तिवारी , पूर्व माध्यमिक शाला प्रधान पाठक तीजराम ठाकुर, शिक्षक अशोक कुमार साहू,दीपक लाल ठाकुर,संजय सरकार सिंह, स्वयं सेवी शिक्षिका मधु साहू समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

डीईओ ने झिटकनिया स्कूल का किया औचक निरीक्षण, अनुपस्थित शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने विशेष प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी.डाहिरे ने मुंगेली विकासखण्ड के शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला झिटकनिया का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण में श्रीमती यू. दिवाकर, एल.एस.बघेल, जे.के.देवांगन, श्रीमती एस. दिवाकर और आर.के.दिवाकर सहित 05 शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। इस पर सभी शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

नाबालिक से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 वर्ष की सजा, अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने सुनाई सजा

पाटन। नाबालिक को बहला फुसलाकर भगाकर लें जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने 20 वर्ष की सजा सुनाई है। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने की। प्राप्त जानकारी के मुताबिक पीड़िता अपने सहेली का घर गई थी वहां से अपने घर वापस आ रहे थे तभी रास्ते में आरोपी निखिल कुर्रे ने उन्हें बहला फुसलाकर अपने बाइक में बैठकर घूमने ले जाने के बहाने अपने दीदी के घर ले गई वहां से उन्हें नागपुर ले जाया गया। नाबालिक पीड़िता के साथ वहां पर जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया उतई थाना में पहले गुम इंसान की सूचना हुई उसके बाद पीड़िता को नागपुर से बरामद किया गया। पूछताछ में खुलासा होने पर आरोपी निखिल को विरासत में लेकर पूछताछ किया गया।

सारंगढ़: बसपा की अहम बैठक संपन्न, देव प्रसाद कोसले बने नगर पालिका कमेटी के अध्यक्ष

सारंगढ़ -टारजन महेश (समय दर्शन) आगामी नगर पालिका चुनाव की तैयारियों को धार देने के लिए आज दिनांक 22 जनवरी 2026 को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सारंगढ़ के पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक स्थानीय सतनाम भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों में सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई, साथ ही सर्वसम्मति से कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

नई नियुक्तियों की घोषणा

बैठक में सर्वसम्मति से देव प्रसाद कोसले को नगर पालिका सारंगढ़ बसपा कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण पदों पर निम्नलिखित नियुक्तियां की गईं:

महासचिव: श्री एडवोकेट एफ आर. निराला

कोषाध्यक्ष: श्री लखन लाल रात्रे

संरक्षक: श्री छबिलाल रात्रे (पूर्व विधायक, सारंगढ़)

नगर पालिका प्रभारी: श्री कन्हैया जांगड़े एवं श्री शंकर लाल जांगड़े

चुनावों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवीण सिंह मल्होत्रा (जिलाध्यक्ष, बसपा) ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उन्हें पद की गरिमा के साथ अहम जिम्मेदारियां सौंपी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने कहा कि, नगर पालिका चुनाव पार्टी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी और कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जाकर जनता से जुड़ें और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं।

वरिष्ठों का मिला मार्गदर्शन

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलमणी वारे (विधानसभा अध्यक्ष, बसपा सारंगढ़) ने की। बैठक में बसपा के कई वरिष्ठ साथी और सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने बारी-बारी से नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया। बैठक के समापन पर नवनियुक्त अध्यक्ष देव प्रसाद कोसले ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करेंगे और नगर पालिका चुनाव में बसपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगे।

अध्यात्म विज्ञान सम्मेलन में जगद्गुरु स्वामी उमाशंकर चैतन्य के हाथों सम्मानित हुए लक्ष्मी कांत जड़ेजा

मुंगेली(समय दर्शन) अध्यात्म विज्ञान सम्मेलन के स्वर्णिम 50वें वर्ष महोत्सव के तहत आज मुंगेली में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जगद्गुरु स्वामी उमाशंकर चैतन्य जी ने पंथी पार्टी भटगांव के अध्यक्ष लक्ष्मी कांत जड़ेजा को सम्मानित किया। यह आयोजन 23 से 25 जनवरी 2026 तक आगर खेल परिसर, मुंगेली में आयोजित किया गया है, जो कि अध्यात्म विज्ञान शाला उपकेंद्र मुंगेली द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य परमात्मा और धर्म का सही ज्ञान जन-जन तक पहुंचाना था, क्योंकि आयोजकों के अनुसार, संसार की समस्त समस्याओं का मूल कारण परमात्मा का ज्ञान न होना है। सम्मेलन में स्वामी उमाशंकर चैतन्य जी ने परमात्मा के सत्य रूप का प्रत्यक्ष दर्शन कराते हुए इस विषय पर गहन विचार साझा किए।सम्मेलन में एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जो मंडी प्रांगण, मुंगेली से शुरू हुई। इस शोभायात्रा में लक्ष्मी कांत जड़ेजा द्वारा आयोजित पंथी नृत्य पार्टी ने अपनी विशेष प्रस्तुति दी, जिसे देख सभी जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों ने जोरदार तालियों से स्वागत किया। इस दौरान पंथी पार्टी भटगांव द्वारा बनाए गए आकर्षक मीनारों ने शोभायात्रा को और भी भव्य बना दिया।सम्मान के अवसर पर

लक्ष्मी कांत जड़ेजा को उनके समाज में किए गए समरसता के कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें जगत गुरु स्वामी उमाशंकर चैतन्य जी, केंद्रीय मंत्री माननीय तोखन साहू, विधायक माननीय पुन्नू लाल मोहले, और पूर्व सांसद लखन लाल साहू द्वारा भगवान श्री मायानंद चैतन्य जी की छायाचित्र, श्रीमद भागवत गीतोपनिषद, और अध्यात्म मानस शंका समाधान जैसे अमूल्य ग्रंथों से सम्मानित किया गया।लक्ष्मी कांत जड़ेजा, जो पंथी नृत्य को कई राज्यों में प्रस्तुत कर मुंगेली जिले का नाम रोशन कर चुके हैं, को इस सम्मान से समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का एहसास हुआ। उन्होंने 5 बार राज्य स्तरीय पंथी नृत्य पुरस्कार और 300 से अधिक स्थानीय सामाजिक पुरस्कारों के साथ मुंगेली जिले को गौरवान्वित किया है। इस समारोह के दौरान लक्ष्मी कांत जड़ेजा ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए मानवता और समाज की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी व्यक्त किया। उन्होंने इस सम्मान को समाज के प्रत्येक व्यक्ति के योगदान का प्रतीक मानते हुए सभी को सामाजिक समरसता की दिशा में काम करने की प्रेरणा दी। समाजसेवा के प्रति समर्पण और धार्मिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार लक्ष्मी कांत जड़ेजा की यह उपलब्धि उनके समाज सेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उनकी ओर से पंथी नृत्य और लोक सांस्कृतिक कार्यों के माध्यम से समाज में एकता और भाईचारे का संदेश दिया जाता है।यह आयोजन निश्चित रूप से मुंगेली जिले के सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

सास बहु सम्मेलन में दी गई पीएम मातृ वंदना योजना की जानकारी

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के कोसीर परियोजना में गुरुवार को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत शिशुवती, गर्भवती महिलाओं के लिए सास बहू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा शामिल हुई। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, समय पर जांच व टीकाकरण कराने और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं, किशोरी बालिकाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य सभी हितग्राहियों को योजना की जानकारी प्रदान करना, पात्र महिलाओं को शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना और मातृङ्कशिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाकर परिवार में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना था। सम्मेलन में पर्यवेक्षक चंचन वारे ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, समयबद्ध आवेदन प्रक्रिया और राशि प्राप्ति की जानकारी दी। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं के लिए नियमित एएनसी जांच, समय पर टीकाकरण, पोषण युक्त आहार, आयरनङ्कफोलिक एसिड सेवन और हाईरिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान कर समय पर उपचार कराने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गृह भेंट का रोल-प्ले प्रस्तुत कर महिलाओं और परिवारजनों को स्तनपान की सही तकनीक, नवजात शिशु को छह माह तक केवल स्तनपान कराने के लाभ और कंगारू मदर केयर से शिशु के तापमान, वजन एवं विकास में होने वाले सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी उत्तम प्रसाद ने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्प्रभावों पर जानकारी दी और इसे रोकने का आह्वान किया। बाल विवाह रोकथाम पर नाट्य प्रस्तुति भी आयोजित की गई। इसके अलावा किशोरी बालिकाओं ने एनीमिया और आयरन सेवन के महत्व को समझाने के लिए चार्ट के माध्यम से प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सभी शिशुवती और गर्भवती महिलाओं को पोषण किट तथा किशोरी बालिकाओं को उपहार वितरित किए गए। हितग्राहियों को सलाह दी गई कि योजना के तहत प्राप्त राशि का उपयोग पोषण, स्वास्थ्य जांच, दवाइयों और मातृङ्कशिशु देखभाल पर प्राथमिकता से करें।

सरकारी संरक्षण में अवैध रेत-मिट्टी खनन का बड़ा खुलासा, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने की तत्काल कार्रवाई की मांग, सौंपा ज्ञापन

पाटन। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-62 अंतर्गत ग्राम पंचायत खुडमुड़ी में सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध रेत एवं मिट्टी खनन के गंभीर मामले का खुलासा किया है। यह खनन न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि इसमें विभागीय अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं ठेकेदारों की मिलीभगत स्पष्ट रूप से सामने आ रही है।

पार्टी द्वारा जिला प्रशासन को दिए गए लिखित आवेदन के अनुसार, औद्योगिक विभाग की लगभग 55 एकड़ सुरक्षित भूमि, जो नदी तट के समीप स्थित है, वहां मनरेगा के नाम पर बनाए गए तालाब की आड़ में जेसीबी एवं डंपर मशीनों से अवैध उत्खनन किया जा रहा है। तालाब से निकाली गई ऊपरी परत की मिट्टी एवं रेत को पास स्थित ईंट-भट्टों को अवैध रूप से पहुंचाया जा रहा है, जिससे शासन को भारी राजस्व हानि हो रही है।

इतना ही नहीं, औद्योगिक विभाग से लगभग 10 मीटर नीचे स्थित खारुन नदी से 300 से अधिक हाईवा रेत बिना पंचायत प्रस्ताव एवं वैधानिक अनुमति के निकाली जाकर खुलेआम बेची गई। इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जानबूझकर आंखें मूंदे जाने का आरोप है।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी की ओर से यह भी बताया गया कि पंचायत सचिव एवं कोटवार को इस पूरे अवैध कार्य की कोई जानकारी नहीं होना, प्रशासनिक लापरवाही और संदेह को और गहरा करता है।

पार्टी की प्रमुख मांगें:

अवैध रेत एवं मिट्टी खनन पर तत्काल रोक लगाई जाए।

दोषी विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

सरकारी भूमि को नुकसान पहुंचाने वालों से क्षतिपूर्ति वसूली की जाए।

पूरे मामले की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए।

पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी द्वारा संबंधित विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

देवरबीजा स्कूल में मनाया गया बसंत पंचमी का त्यौहार

साजा (समय दर्शन)। सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल देवरबीजा में बसंत पंचमी महोत्सव को धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती की छायाचित्र को पुष्पों से सजाया गया। महराज जी की के जरिए पूजन-अर्चन किया गया। बच्चों ने श्वेच्छानुसार मां सरस्वती के चरणों में प्रसाद हेतु नारियल, मूंगफली व लायचीदाना अर्पित किए। सभी ने आस्थाओं के साथ मां सरस्वती से विवेक एवं ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रार्थना की। प्राचार्य पुष्पराज सेन व शिक्षक अजय साहू ने पंचमी के महत्व पर प्रकाश डाला। बताया गया कि बसंत पंचमी को विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना का विशेष महत्व है। इस दिन विद्यार्थियों, कलाकारों, शिक्षकों और ज्ञान साधकों द्वारा मां सरस्वती से विद्या विवेक और वाणी की शुद्धता का आशीर्वाद मांगा जाता है। मान्यता है कि इस दिन की गई साधना से अध्ययन, कैरियर और रचना क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बसंत पंचमी पर्व पर मां सरस्वती के साथ भगवान विष्णु और कामदेव की भी पूजा की जाती है। भगवान विष्णु को सृष्टि पालन कर्ता और कामदेव को सृजन व प्रेम का प्रतीक माना जाता है। पीले वस्त्र पीले पुष्प और पीले मिष्ठान अर्पित कर बसंत ऋतु के उल्लास एवं ऊर्जा का स्वागत किया जाता है। पर्व के अवसर पर विद्यालयों, मंदिरों एवं घरों में सरस्वती वंदना वाद्य यंत्रों की पूजा एवं विद्यारंभ संस्कार किए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बसंत पंचमी से शुभ कार्यों की शुरुआत करना अत्यंत फलदाई माना जाता है। इस अवसर पर संस्था

प्राचार्य पुष्पराज सेन, शिक्षक अजय साहू, शिक्षिकाएं सतरूपा सेन, शर्मिला टंडन, कीर्ति कश्यप, मिथला यादव, नेहा साहू, चित्तरेखा, प्रभा दुबे, अंकिता, संगीता, तीजन समेत सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ में संचालित संस्थाओं का किया आकस्मिक निरीक्षण

कलेक्टर ने बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण और बोर्ड परीक्षा की तैयारी का जाना हाल*

कलेक्टर ने आशा निकेतन में वृद्धजनों के देखरेख और सखी सेंटर के कार्यों का किया अवलोकन

सारंगढ़-बिलाईगढ़, (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने गुरुवार को जिला मुख्यालय सारंगढ़ में संचालित कई संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने आशा निकेतन वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान डॉ कन्नौजे ने आश्रम में रह रहे सभी वृद्धजनों से आत्मीय बातचीत कर उनके खान-पान, स्वास्थ्य एवं दैनिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली और वृद्धजनों की सेहत को ध्यान में रखते हुए पोषणयुक्त भोजन प्रदान करने तथा सप्ताह में एक बार चिकित्सकों द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच कराने कलेक्टर ने निर्देश दिए। इसके साथ ही अपने धर्म के अनुरूप गीत संगीत से मानसिक शांति एवं सकारात्मक वातावरण के लिए साउंड बॉक्स के माध्यम से भजन-कीर्तन चलाने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा एवं समाज कल्याण विभाग के विनय तिवारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित कन्या छात्रावास सारंगढ़ का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, रसोई में रखे भोजन सामान की स्थिति एवं सामग्री की एक्सपायरी डेट की जांच की। निरीक्षण के दौरान चावल की एक बोरी फटी हुई पाई गई, जिस पर चावल को नमी से बचाने हेतु ड्रम में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने छात्राओं से विशेषकर 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी को लेकर चर्चा की और उन्हें बेहतर प्रदर्शन एवं अच्छा प्रतिशत लाने के लिए प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा उपस्थित रही।इसके बाद कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सखी वन स्टॉप सेंटर सारंगढ़ का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अब तक दर्ज प्रकरणों, डेली रजिस्टर और काउंसलिंग प्रक्रिया का रिकॉर्ड चेक किया। सखी सेंटर में अब तक 45 प्रकरण पंजीकृत किए जा चुके हैं। कलेक्टर ने सखी सेंटर के सूचना पटल (नोटिस बोर्ड) में सभी हेल्पलाइन नंबर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

खबर-खास

महुदा में रामकथा के समापन अवसर पर भावुक हुए भक्त गण

पाटन। महुदा में दश दिवसीय रामकथा के समापन अवसर पर भावुक हुए श्रद्धालु गण वृंदावन धाम से पधारे नन्हे से बालिक देवी अंशिका के मुखाग्रो से निरंतर दश दिनों तक रामकथा का आयोजन हुआ जिसमें व्यास महराज द्वारा प्रभु श्री रामचन्द्र के जीवन शैली का विस्तार कथा से जनता को सराबोर किया उन्होंने प्रभु राम के बतायें मार्गों पर चलने हेतू निवेदन किया कि किस तरह प्रभु जी ने मानव जिंदगी में कितनी पीड़ा सही चौदह वर्ष वनवास में चलकर दुष्टो का सहार कर धरती का उद्धार किया वही अंतिम दिवश में काफी भावुक पल देखा गया देवी अंशिका ने कहा आप लोगों का प्यार दुलार देखकर मैं काफी प्रसन्न महासुस किया हु अब तो आज अंतिम दीवश है आप लोगों से विदाई का समये है प्रभु जी के बताये रास्तों पर चलना संसार परिवर्तन सील है याहा कभी सुख तो कभी दुख मिलता रहेगा आप सभी हमेशा प्रभु श्री राम के बतायें मार्गो पर चलने हेतू बच्चो को भी प्रेरित करते रहना ईसके बाद अपनी वाणी विराम की जिसके बाद आरती हुए तत्पश्चात रात्रिकालीन भंडारा भोज का आयोजन हुआ रात्रिकालीन बालोद की राम धुनी की भव्य प्रस्तुति हुआ आयोजन कर्ता मनोज साहू ने आयोजन को सफल बनाने हेतू समस्त ग्राम वासीयों का? धन्यवाद ज्ञापित किया

एमवे इंडिया ने न्यूट्रिलाइट™ बायोटिन सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) लॉन्च किया जो त्वचा, बालों और नाखूनों के स्वास्थ्य को भीतर से सहारा देता है

रायपुर : आज के तेज़-रफ्तार जीवन में देर रात तक जागने की आदत, बढ़ते तनाव और पोषक तत्वों की कमी वाले आहार के कारण, स्वस्थ दिखने वाले बाल, त्वचा और नाखून भी अपनी प्राकृतिक चमक और मजबूती खो सकते हैं। जैसे-जैसे उपभोक्ता 'भीतर से सुंदरता' की अवधारणा वाले उत्पादों को अपना रहे हैं, स्वास्थ्य और वेलनेस के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने न्यूट्रिलाइट™ बायोटिन सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) लॉन्च किया है— जो एक वैज्ञानिक रूप से तैयार न्यूट्रास्युटिकल है जिसमें भीतर से स्वस्थ बालों, त्वचा और नाखूनों को सहारा देने वाले तत्व शामिल हैं। इसे 'बायोटिन से परे' फ़ॉर्मूलेशन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह उत्पाद केवल एकल-घटक सप्लीमेंट तक सीमित न रहकर बायोटिन, विटामिन सी और जिंक जैसे तीन आवश्यक पोषक तत्वों का 100त्न अनुशंसित आहार मात्रा (आरडीए) प्रदान करता है, साथ ही बीटा कैरोटीन भी शामिल करता है। यह एमवे के विज्ञान-समर्थित पोषण और पादप-आधारित वेलनेस पर निरंतर फोकस को दर्शाता है। न्यूट्रिलाइट की 90+ वर्षों की पोषण विशेषज्ञता के साथ विकसित, यह उत्पाद अनुशंसित आहार भत्तों (आरडीए) के अनुरूप आवश्यक पोषक तत्वों को प्रदान करता है, जो एमवे के रोजमर्रा के पोषण पर फोकस को मजबूत करता है। लॉन्च के अवसर पर एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, श्री रजनीश चोपड़ा ने कहा: आज के उपभोक्ता यह तेजी से समझ रहे हैं कि समग्र स्वास्थ्य और बाहरी रूप-रंग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। एमवे में, हमारा प्रयास विज्ञान-समर्थित, प्रकृति-प्रेरित पोषण के माध्यम से लोगों को अधिक संतुष्ट जीवन जीने में सक्षम बनाना है। बायोटिनइ? सी प्लस (जिंक एवं बीटा कैरोटीन के साथ) का लॉन्च हमारे 'भीतर से सुंदरता' पोषण पोर्टफोलियो को मजबूत करता है, और बायोटिन से परे व्यापक पोषक तत्वों वाला फॉर्मूलेशन वाला प्रस्तुत करके रोजमर्रा की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करता है।

धान नहीं बिकने को लेकर किसान ने लगाई जिला प्रशासन से गुहार

रकबा सुधार की समस्या बन रही धान न बिकने की वजह

कोरबा (समय दर्शन)। चैतमा ग्राम के किसान रामजी पटेल एक पंजीकृत किसान है और किसान संबंधी सभी दस्तावेजी प्रमाण उनके पास सुरक्षित है उसके बावजूद भी उनका टोकन नहीं कट पा रहा है और ऑपरेटर से जांच कराने पर उनका रकबा ब खसरा सिस्टम में निरंक है जिसके वजह से धान नहीं बेच पाने के कारण वह लगातार तहसील , अनुभाग और आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के चक्कर रकबा के सुधार व अपडेट हेतु कई दिनों से कोशिश कर रहे हैं और चिंताजनक अवस्था में वह कभी पटवारी, मंडी प्रबंधक तो कभी नायब तहसीलदार से रकबा सुधार हेतु निवेदन कर प्रयास करते दिख रहे हैं ।

अभी बीते दिनांक 21 जनवरी 2026 को किसान रामजी पटेल

जिला कलेक्टर कार्यालय कोरबा भी अपने धान नहीं बिकने की समस्या को लेकर गए हुए थे उन्होंने अपने वर्तमान उपज की धान को चैतमा अंतर्गत के धान मंडी में नहीं बिक पाने एवं टोकन नहीं कटने की समस्या को लेकर जिला कलेक्टर के पास आवेदन प्रस्तुत किए , किसान रामजी पटेल का कहना है की मौजा ग्राम कुटेला मुंडा पटवारी हल्का नंबर 28 रा.नि.मा चैतमा तहसील पाली अंतर्गत भूमि है जिसका रकबा/ खसरा नंबर 302 /7 (0.097), 302/8 (0.097) ,302/9(0.093) , 302/10(0.053) ,316/3(0.162) ,131/3(0.061) ,331/4(0.089) ,346/2(0.069 की स्वामित्व की भूमि स्थित है , एवं उक्त खातेदार किसान आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. चैतमा पं. क्र. 3050 के पंजिकृत किसान है एवं उनके द्वारा वर्ष 2025 मे खरीफ़ फसल के लिए उपरोक्त दर्षित खसरा/रकबा की भूमि पर दो बार किसान ऋण ले चुका है और उनके पास इससे सम्बंधित पावती भी है । साथ ही पंजीकृत किसान कोड , एग्रेस्टेक पंजीयन ,किसान क्रेडिट कार्ड सभी दस्तावेजी प्रमाण सुरक्षित है । उन्होने बताया उसके बावजूद भी उनका धान नहीं बिक रहा है ।

उक्त बातों को लेकर किसान ने सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत व जिला कलेक्टर के समक्ष निवेदन किया है उन्होंने किसान को आश्वस्त करते हुए कहा की उनका धान खरीदा जाएगा इस बात को लेकर किसान के चेहरे में खुशी जरूर है पर वर्तमान धान खरीद की समय सीमा अवधि निर्धारित होने के कारण किसान के मन मे उदासीनता भी है ।

सरस्वती शिशु मंदिर कुसमुंडा में सरस्वती पूजन के साथ विद्यारंभ संस्कार सम्पन्न

बसंत पंचमी पर 30 नन्हे बच्चों ने किया शिक्षा जीवन का शुभारंभ, खिचड़ी भंडारे का हुआ आयोजन

कोरबा/कुसमुण्डा (समय दर्शन) सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुसमुंडा में दिनांक 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की आराधना से हुई, जिसमें उपस्थित भैया-बहनों द्वारा समर्पण राशि अर्पित की गई।

इसके पश्चात विद्यालय के पुजारी श्री अशोक दुबे आचार्य द्वारा नन्हे-मुन्ने भैया-बहनों का विद्यारंभ संस्कार संपन्न कराया गया। इस दौरान नवीन प्रवेशित बच्चों की जीभ पर मधुरस से

प्रणव अक्षर 'ऊँ' लिखकर उन्हें पहला अक्षर ज्ञान कराया गया। विद्यारंभ संस्कार के माध्यम से बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता, संस्कार और अनुशासन के महत्व को रेखांकित किया गया, ताकि उनकी शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर जीवन निर्माण का सशक्त आधार बने।

इस विद्यारंभ संस्कार में कुल 30 भैया-बहन उपस्थित रहे। शिशु वाटिका, प्राइमरी एवं हाई स्कूल के सभी भैया-बहनों ने पीले वस्त्र धारण कर पंक्तिबद्ध होकर फूल एवं नारियल अर्पित करते हुए मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की।

बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर प्रसाद वितरण एवं खिचड़ी भंडारे का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रभारी प्राचार्य शांति कुमार राठौर ने सभी भैया-बहनों, उपस्थित अभिभावकों एवं मातृशक्ति का आभार व्यक्त किया। समस्त आचार्य परिवार के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मेरे सपनों का कवर्धा'' शहर विकास का नया विजन- चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी

नगर पालिका अध्यक्ष की पहल से निकले शहर के भविष्य के सैकड़ों सुझाव

कवर्धा (समय दर्शन)। आज मैं आपसे भाषण देने नहीं, संवाद करने आया हूँ। आज का दिन मेरे जन्मदिन का नहीं, कवर्धा के भविष्य का मंच है शहर सरकार या फाइलों का नहीं, हम सबका होता है और इसी सोच को जगाने के लिए 'मेरे सपनों का कवर्धा' शुरू किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने पारंपरिक भाषण देने के बजाय जनसंवाद का मार्ग अपनाते हुए नागरिकों और विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा आयोजित मेरे सपनों का कवर्धा कार्यक्रम स्थानीय पीजी कॉलेज सभागार में भव्य एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की परिकल्पना नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी द्वारा की गई, जिसका उद्देश्य शहर के विकास में आम नागरिकों एवं युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

मेरे सपनों का कवर्धा अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी के साथ-साथ अन्य विधाओं का सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसमें बच्चों ने आकर्षक वेशभूषा के साथ अपनी-अपनी प्रस्तुति देकर पुरस्कार हासिल किये। कार्यक्रम के दौरान कवर्धा से संबंधित प्रश्नोत्तरी (क्विज़ प्रतियोगिता) का आयोजन भी किया गया, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मेडल एवं पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा

का संचार किया। बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

इसी तरह सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय कवर्धा, द्वितीय पुरस्कार अशोका पब्लिक स्कूल, कवर्धा एवं तृतीय पुरस्कार गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा एवं रामकृष्ण पब्लिक स्कूल कवर्धा के छात्र-छात्राओं को प्रदान किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में इनको मिला पुरस्कार- प्रतियोगिता दो श्रेणियों में आयोजित की गई थी पहली श्रेणी आम नागरिकों के लिए तथा दूसरी श्रेणी कक्षा 10वीं से ऊपर के स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये, जिसमें प्रतिभागियों ने निबंध में कवर्धा नगर के विकास, स्वच्छता, हरियाली, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क सुरक्षा, यातायात, संस्कृति, परंपरा और आधुनिकता एवं नागरिकों की जिम्मेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किया। जिसमें प्रथम पुरस्कार- नरेंद्र प्रसाद कल मित्र, द्वितीय पुरस्कार-श्रीमती अनीता जायसवाल, तृतीय पुरस्कार- बिजेंद्र साहू, विशेष सम्मान पुरस्कार आदित्य श्रीवास्तव, आकाश आहूजा, जितेंद्र सिंह ठाकुर (सर) को प्रदान किया गया।

आपने सोचा-आपने लिखा, अब जिम्मेदारी हमारी- मेरे सपनों का कवर्धा लेखन प्रतियोगिता को दो वर्गों में आयोजित किया गया। पहला वर्ग नागरिकों के लिए तथा दूसरा वर्ग 10. स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए। दोनों वर्गों से कुल 500 से अधिक लेख प्राप्त हुए, जो कवर्धा के प्रति नागरिकों की जागरूकता और जिम्मेदारी का प्रमाण हैं। लेखों के मूल्यांकन के संबंध में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि हर लेख को पढ़ा गया है शहर के प्रबुद्ध नागरिकों और शिक्षाविदों को यह जिम्मेदारी दी गई कि वे सुझावों को समझें, अंक दें और बेहतरीन विचारों को सामने लाएँ, क्योंकि हर सुझाव क़ीमती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह आयोजन केवल प्रतियोगिता या पुरस्कार तक सीमित नहीं है यह केवल पुरस्कार पाने की प्रतियोगिता नहीं है यह कवर्धा की कार्ययोजना का बीज है, आज हम वादे नहीं बाँट रहे, बल्कि दिशा तय कर रहे हैं यह हमारा कवर्धा को आगे बढ़ाने का नया विज़न है। अंत में अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि आपने सोचा, आपने लिखा, अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम उसे धरातल पर उतारें 'मेरे सपनों का कवर्धा' अब हम सबका साझा सपना है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव निहारिका बारीक ने किया राज्यपाल के गोद ग्राम का निरीक्षण

विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीणों की आर्थिक सुदृढ़ीकरण का आधारः श्रीमती निहारिका बारिक

गरियाबंद। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक ने राज्यपाल श्री रमेन डेका के गोद ग्राम बिजली (मड़वाडीह) का औचक निरीक्षण किया।इस अवसर पर मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा,एनआरएलएम के एमडी अश्वनी देवांगन कलेक्टर बीएस उईके, उप सचिव एस.आलोक,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीमती बारिक ने गोद ग्राम पंचायत बिजली मड़वाडीह में ग्रामीणों एवं महिला स्व-सहायता समूहों से चर्चा करते हुए समूहों द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी योजना की जानकारी साझा करते हुए बताया कि पहले यह योजना 100 दिनों की कार्य अवधि तक सीमित थी, जिसे बढ़ाकर अब 125 दिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीण आजीविका को वैधानिक संरक्षण मिलने के साथ-साथ जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। उन्होंने बताया कि मजदूरी भुगतान साप्ताहिक आधार पर अथवा किसी भी स्थिति में कार्य समाप्ति के 15 दिनों के भीतर किया जाना अनिवार्य है।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा के दौरान श्रीमती बारिक ने मड़वाडीह की श्रीमती मिथलेश्वरी ध्रुव से बातचीत की। उन्होंने बताया कि डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर 1200 फीट की सेंटिंग प्लेट खरीदी गई है, जिससे प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक समय में लगभग चार घरों में कार्य किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि चार माह में लगभग 30 लाख रुपये की आय अर्जित हुई है, जो कुल व्यय का लगभग एक-चौथाई है। जिले में लखपति दीदियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रमुख सचिव ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर-घर जल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही जय फगीश्वर एग्रो महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा त्रिवेणी ब्रांड नाम से हल्दी एवं मिर्च की पैकिंग एवं विक्रय की गतिविधियों का अवलोकन किया। समूह द्वारा अब तक 50 किलो से अधिक उत्पाद का विक्रय कर आय अर्जित की जा चुकी है।उन्होंने सुझाव दिया कि धान के स्थान पर मिर्च अथवा हल्दी जैसी नकदी फसलों की खेती कर कच्चे माल का स्वयं उत्पादन कर अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

समूहों द्वारा दोना-पत्तल निर्माण मशीन, मशरूम उत्पादन हेतु शेड निर्माण तथा मूंगफली दाना पृथक्करण मशीन की मांग रखी गई, जिस पर कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को निर्देशित किया गया कि संबंधित योजनाओं के अंतर्गत आवश्यक सहायता प्रदान की जाए। श्रीमती बारिक ने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने गर्म भोजन व्यवस्था, रसोई की स्वच्छता, बच्चों की उपस्थिति एवं कुपोषण की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही गांव में पूर्ण आवास निर्माण की प्रगति का अवलोकन करते हुए हितग्राही श्री रामेश्वर पटेल के आवास का निरीक्षण किया। गोद ग्राम में कचरा प्रबंधन व्यवस्था की भी जानकारी ली गई, जिसमें नियमित सफाई, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं सफाई कर्मियों के मजदूरी भुगतान की स्थिति का अवलोकन किया गया। ग्राम पंचायत में संचालित डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से हो रहे दैनिक ट्रांजेक्शन एवं ग्रामीण स्तर पर डिजिटल सेवाओं के विस्तार के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। इसके पश्चात ग्राम श्यामनगर में संचालित आजीविका केंद्र का निरीक्षण किया गया, जहां उगता सूरज, जय ठाकुर देव एवं जय महामाया समूह द्वारा सिलयारी पत्तों की सिलाई कर पारंपरिक दोना-पत्तल निर्माण कर आय अर्जित की जा रही है।

बेटी के संरक्षण और शिक्षा का संदेश के साथ निकला जागरूकता रथ, अतिरिक्त कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुंगेली(समय दर्शन) शासन की 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजनांतर्गत आज जिला कलेक्टोरेट परिसर से बेटी के संरक्षण और शिक्षा का संदेश के साथ जागरूकता रथ निकाया गया। अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने जागरूकता अभियान के लिए रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रथ के माध्यम से समाज में बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, लैंगिक भेदभाव, भ्रूण हत्या एवं बाल विवाह जैसी कुरीतियों की रोकथाम तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति आमजनों को प्रेरित किया जाएगा। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर मायानंद चंद्रा एवं श्रीमती सारिका मित्तल, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती संजुला शर्मा और चाईल्ड हेल्प लाइन के परियोजना समन्वयक उमाशंकर कश्यप मौजूद रहे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601104500005

विषय-अ-6अ **मामले की श्रेणी-राजस्व** सन-2025-26
खुड़मुडी (प.ह.नं. 00015)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-दिनेश कुमार चक्रधर,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खुडमुड़ी प.ह.नं. 15 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक दिनेश कुमार चक्रधर पिता विक्रम सिंह चक्रधर ग्राम खुडमुडी तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा ग्राम खुडमुड़ी प.ह.नं.15 तह.पाटन जिला दुर्ग में स्थित आवेदक व अन्य के नाम दर्ज शामिलाल खाता की भूमि के अभिलेख पर ना.बा. चैतन्य एवं ना.बा. कोविद कुमार चक्रधर से चैतन्य एवं ना.बा. कोविद कुमार चक्रधर से चैतन्य कुमार एव कोविद कुमार किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 10.02.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22.01.2026 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदा पाटन

मुहर

15 साल बाद भी आज़ाद हत्यारा : खामोश सिस्टम — उमेश राजपूत की पुण्यतिथि पर पत्रकारों का फूटा आक्रोश

गरियाबंद (समय दर्शन)। 23 जनवरी 2011 यह तारीख छूरा के इतिहास में सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि सच की हत्या के रूप में दर्ज है।ठीक 15 साल पहले,निर्भीक पत्रकार स्वर्गीय उमेश राजपूत को उनके ही घर के प्रांगण में घुसकर अज्ञात व्यक्ति ने गोली मार दी थी।उस दिन एक इंसान नहीं मरा था, उस दिन समाज को आईना दिखाने वाली एक बेखौफ कलम को हमेशा के लिए चुप करा दिया गया था।आज 23 जनवरी को, स्व. उमेश राजपूत की 15वीं पुण्यतिथि पर तहसील पत्रकार कार्यालय छूरा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा साधारण कार्यक्रम नहीं रही।फूलों और मौन के साथ-साथ वहां गुस्सा,पीड़ा और व्यवस्था के खिलाफ उबाल साफ दिखाई दे रहा था।पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी,लेकिन इसके बाद जो शब्द निकले,वे सीधे सिस्टम पर वार थे।

वक्ताओं ने याद दिलाया कि इस सनसनीखेज हत्या के बाद स्थानीय पुलिस ने जांच की,फिर मामला उच्च स्तर तक पहुंचा, सीबीआई तक जांच चली, लेकिन नतीजा शून्य।फाइलें बदलीं, अफसर बदले, सरकारें बदलीं,पर हत्यारा नहीं बदला—वह आज भी खुलेआम आज़ाद है।

सभा में सबसे बड़ा सवाल यही उठा कि जब पुलिस विभाग रोज़ाना अपराधों के खुलासे कर सफलता के दावे करता है,तब एक पत्रकार की

दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या 15 वर्षों से क्यों अनसुलझी है? क्या सुराग नहीं मिले ?या मिलेज् लेकिन कहीं रुक गए?

पत्रकारों ने कहा कि स्व.उमेश राजपूत साधारण पत्रकार नहीं थे। वे ग्रामीण अंचल की सच्चाइयों, अवैध गतिविधियों,भ्रष्टाचार और शोषण के खिलाफ लगातार लिखते थे। उनकी रिपोर्टिंग कई लोगों के लिए असुविधाजनक थी। शायद इसी बेबाकी की कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

श्रद्धांजलि सभा में यह बात बार-बार दोहराई गई कि यह मामला अब सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर लगा हुआ बड़ा प्रश्नचिह्न है। जब एक पत्रकार सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिक की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा?

वरिष्ठ पत्रकारों ने कहा कि 15 साल तक हत्यारे का न पकड़ा जाना बताता है कि या तो जांच बेहद कमजोर रही, या फिर किसी स्तर पर सच्चाई तक पहुंचने से रोका गया। उन्होंने मांग की कि मामले की नए सिरे से उच्च स्तरीय समीक्षा, सार्वजनिक प्रगति रिपोर्ट और समयबद्ध जांच हो।

कार्यक्रम में नरेंद्र तिवारी,अ.समद खान,संतोष जैन, यशवंत यादव,तेजस्वी यादव,प्रकाश कुमार यादव, दिलीप बघेल,परमेश्वर राजपूत,कुलेश्वर सिन्हा, यामिनी चंद्राकर,मेष नंदन पांडेय,इमरान मेमन, अनीश सोलंकी,उज्ज्वल जैन,किशन सिन्हा, परमेश्वर यादव,तेजराम ध्रुव,परस सिन्हा,भूपेंद्र सिन्हा,विकास कुमार ध्रुव,येगेश्वर जांगड़े,पुनीत राम ठाकुर सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि स्व. उमेश राजपूत हत्याकांड को भुलाया नहीं जाएगा। यह मामला हर साल, हर मंच से उठेगा, जब तक हत्यारे बेनकाब नहीं होते।

संक्षिप्त-खबर

खाकी की मनमानी पर हाईकोर्ट का हंटर: बिना स्रङ्क्र छात्र को भेजा जेल, अब सरकार देगी 1 लाख मुआवजा

भिलाई (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पुलिसिया कार्यप्रणाली और मानवाधिकारों के उल्लंघन पर एक कड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने दुर्ग जिले के एक होटल संचालक को बिना किसी ठोस कानूनी आधार और स्रङ्क्रके जेल भेजने को असंवैधानिक करार देते हुए राज्य सरकार को पीड़ित को 1 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार चाहे तो यह राशि दोषी पुलिस अधिकारियों के वेतन से वसूल सकती है।

क्या था पूरा मामला ?– भिलाई के अवंतीबाई चौक निवासी और कानून के छात्र आकाश कुमार साहू (30) कोहका क्षेत्र में होटल संचालित करते हैं। 8 सितंबर 2025 को पुलिस टीम एक गुमशुदा लड़की की तलाश के नाम पर होटल पहुंची थी। आरोप है कि पुलिस ने बिना महिला पुलिसकर्मियों के उन कमरों में जबरन प्रवेश किया जहाँ महिलाएं ठहरी थीं। जब आकाश ने इसका विरोध किया, तो पुलिस ने उनके साथ बदसलूकी की और 'सरकारी काम में बाधा' डालने का आरोप लगाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बिना किसी वैध स्रङ्क्र के उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

SDM की कार्यप्रणाली पर भी उठे सवाल– मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने न केवल पुलिस, बल्कि स्ष्ठरू की भूमिका को भी कटघरे में खड़ा किया। कोर्ट ने कहा कि महज संदेह और कहासुनी के आधार पर किसी को जेल भेजना संविधान के अनुच्छेद 21 का सीधा उल्लंघन है। स्ष्ठरू को एक 'न्यायिक प्रहरी' की भूमिका निभानी थी, लेकिन उन्होंने बिना सोचे-समझे पुलिस की रिपोर्ट पर मुहर लगा दी। अदालत ने माना कि हिरासत के दौरान दिया गया मानसिक तनाव और अपमान मानवीय गरिमा का हनन है।

अब आगे क्या ?– हाईकोर्ट ने आकाश साहू के खिलाफ दर्ज सभी आपराधिक कार्यवाहियों को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया कि राज्य सरकार 4 सप्ताह के भीतर मुआवजे की राशि का भुगतान करे। यह फैसला उन अधिकारियों के लिए बड़ी चेतावनी है जो कानून की प्रक्रियाओं को ताक पर रखकर कार्रवाई करते हैं। कोर्ट ने साफ किया कि गिरफ्तारी के समय आरोपी को लिखित कारण बताना अनिवार्य है, जिसका इस मामले में पालन नहीं हुआ।

एक अक्षर मंत्र को निरंतर उच्चारण करने से माँ की कृपा प्राप्त होती है

जांजगीर //समय दर्शन// मां जगदम्बा के एक अक्षर को मंत्र के रूप में कोई निरंतर उच्चारण करता रहे तो उनकी कृपा प्राप्त हो जाती है और अग्यानी भी महाज्ञाता हो जाता है उक्त बातें व्यासपीठ से आचार्य अशोक तिवारी ने दुर्गा मंदिर सिवनी में चल रहे देवी भागवत कथा के दूसरे दिवस की कथा में कहा। उन्होंने बताया कि देवदत्त का बेटा गोभिल मुनि के शाप से मूर्ख हो गया था तो उसने लोगों की निंदा का पात्र बनने के कारण वन चले गए और वहां उसने एक बड़ा संकल्प ले लिया कि हमेशा सत्य बोलूंगा। और इसी के बल पर एक घायल सुअर जब उसके आश्रम में छिपने को आया तो उसे देखकर ऐ ऐ ऐसे शब्द उनके मुख से निकला और यही शब्द जो सरस्वती का बीज मंत्र है उस बालक के जीवन में चमत्कार कर गया देवी सरस्वती उस बालक पर प्रसन्न होकर सारी विद्या उसे प्रदान कर दी। कथा के दूसरे दिवस सत्यव्रत की कथा सुनाते हुए यह बात आचार्य ने बताया। आगे उन्होंने नवरात्र पूजा और कन्या पूजन का विस्तार पूर्वक विधान बताते हुए कहा कि दो वर्ष से दस वर्ष तक के कन्या पूजन का अलग अलग देवी के रूपों में पूजन करने से व्यक्ति को धन,धन्य के साथ जीवन के दुखों से मुक्ति और सुफल मनोरथ की प्राप्ति होती है। आगे उन्होंने नर नारायण की कथा का आख्यान सुनाते हुए कहा कि इन दोनों ने भगवती का आश्रय लेकर हिमालय पर्वत के बद्रिका क्षेत्र में कठिन तपस्या की इससे इंद्र भयभीत होकर अनेक प्रकार से विघ्न डालने का प्रयास किया लेकिन जगदम्बा की कृपा से सफल नहीं हुआ। कथा में उन्होंने मधु कैटभ की उत्पत्ति और उनके वध की कथा को विस्तार पूर्वक सुनाया। दुर्गा मंदिर में प्रतिदिन यह कथा इस गुप्त नवरात्रि पर चल रहा है जिसका भक्तजन कथा श्रवण कर लाभ ले रहे है।

बसना पशु कल्याण जागरूकता माह के तहत जिले में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला के सभी विकासखण्डों मे पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशानुसार 14 जनवरी से 13 फरवरी 2026 तक पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत आधुनिक पशुपालन पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, पशु कल्याण को प्रोत्साहित करना तथा पशुधन की उत्पादकता और स्वास्थ्य में सुधार लाना है। साथ ही किसानों को सतत कृषि एवं सर्वोत्तम पशुपालन पद्धतियों के संबंध में शिक्षित किया जा रहा है। इसी क्रम

में जिला महासमुंद के विकासखंड बसना अंतर्गत ग्राम बड़ेसाजापाली में पशु कल्याण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में 40 पशुपालकों की उपस्थिति में कुल 12 पशुओं का उपचार, 10 पशुओं को कृमिनाशक दवा का पान, 16 पशुओं में औषधि वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त 378 पशुओं में पीपीआर एवं एलएसडी रोगों के विरुद्ध टीकाकरण किया गया।

शिविर के दौरान पशुपालकों को पशुओं के समुचित रख-रखाव, संतुलित आहार, नियमित टीकाकरण तथा रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने पशु कल्याण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पशुपालकों से आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों को अपनाने की अपील की। पशुधन विकास विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जिले के समस्त विकासखंडों में पशु कल्याण जागरूकता माह के अंतर्गत निरंतर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक पशुपालक लाभान्वित हो सकें।

रेत माफिया बिना अनुमति जेसीबी से चिंगरौद से खुलेआम निकाल रहे रेत

महानदी चिंगरौद मे माफियाओं का राज

प्रत्येक दिन निकाल रहे सैकड़ों हाईवा रेत

महासमुन्द (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय महासमुन्द के ग्राम चिंगरौद में रेत माफिया प्रशासन की नाक नीचे से आये दिन नदी से रेत का अवैध उत्खनन कर रहे हैं।

विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार लाफिनखुर्द घाट स्वीकृत है, लेकिन चिंगरौद से उत्खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है।

बावजूद इसके खनिज विभाग के अफसरों को कार्यवाही करने में डर सता रहा है। रेत माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। जो खुलेआम नदी में जेसीबी मशीन उतार नदी का सीना चिरकर रेत निकाल रहे हैं।

चिंगरौद स्थित सूखा और महानदी के तट पर पिछले एक महीने से अवैध उत्खनन का खेल जारी है। यहां से रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर और हाइवा बिना किसी अनुमति के रेत ढो रहे हैं।

हैरानी की बात यह है कि लीज लाफिन खुर्द ग्राम के नाम पर है, लेकिन माफिया अपनी सुविधा के लिए चिंगरौद घाट से उत्खनन कर रहे हैं।

रेत माफिया ने बकायादा नदी में अवैध रूप से रैंप (कच्चा रास्ता) बना लिया है। यहीं से हाइवा को निकाला जाता है। जब स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया, तो उनके साथ मारपीट की गई।

लोगों को हो रही परेशानी– भारी वाहनों की आवाजाही से बम्हनी-बेलसोंडा और चिंगरौद की सड़कें खस्ताहाल हो चुकी हैं। करीब 3 किलोमीटर का रास्ता चलने लायक नहीं बचा है। ग्रामीणो ने कलेक्टर से गुहार लगाई है कि इस अवैध कारोबार पर तुरंत रोक लगाई जाए। इसके चलते लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ती है।

विभाग की चुप्पी पर ग्रामीणों में नाराजगी– महासमुंद के चिंगरौद स्थित घाट से महानदी में उतरने के लिए माफियाओं ने बनाया रैंप, जेसीबी से दिन में अवैध उत्खनन कर रेत निकाली जा रही है।

कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही– ग्रामीणों के शिकायत पर खनिज विभाग की टीम बीते दिनों ग्राम चिंगरौद रेत घाट पहुंची थी। जांच करने के बाद अधिकारियों ने चिंगरौद में अवैध रेत उत्खनन करते तीन चैन माउंटेन व 3 हाइवा सील किया गया था। कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति के चलते माफियाओं ने अवैध उत्खनन और परिवहन अब भी जारी है।

विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी, शिकायत– हाइवा चालक से पीट पास की जानकारी मांगने पर चालक ने ग्राम चिंगरौद के गुलशन यादव पिता हेमलाल यादव को बुलाया। गुलशन ने उनसे गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। इसकी शिकायत पुलिस से की गई है।

टीम को भेजकर की जाएगी कार्रवाई : फखगुलाल नागेश– जिला खनिज अधिकारी फगूलाल नागेश ने कहा कि चिंगरौद के घाट से अवैध उत्खनन कर परिवहन करते पाए जाने पर कार्रवाई की गई थी। आपके माध्यम से जानकारी मिल रही टीम को भेजकर अवैध उत्खनन परिवहन पर रोक लगाने को लेकर कार्रवाई की जाएगी।

सावधान! 'बीमारी भगाने' के नाम पर मां के गहने और 8 लाख ले उड़े ठग; यूपी का गिरोह गिरफ्तार

भिलाई (समय दर्शन)। अंधविश्वास और ममता का फायदा उठाकर ठगी करने वाले उत्तर प्रदेश के एक शातिर गिरोह का दुर्ग पुलिस ने पर्दाफाश किया है। खुद को 'राजू' बताकर झांसा देने वाले आरोपियों ने एक युवक की बीमार मां को ठीक करने का दावा किया और पूजा-पाठ के नाम पर ?13 लाख (8 लाख नगद और 60 ग्राम सोना) लेकर रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने चित्रकूट के बाबूलाल और हाथरस की गीता राय को गिरफ्तार कर उनके पास से ?8 लाख बरामद कर लिए हैं। साइकिल की दुकान से बिछाया जाल

ठगी का शिकार हुए सिंधी कॉलोनी निवासी संजय अठवानी ने बताया कि आरोपी पहले उसकी दुकान पर साइकिल देखने के बहाने आए और नंबर ले लिया। बाद में फोन कर मां की बीमारी की जानकारी जुटाई और तंत्र-मंत्र से इलाज का झांसा दिया। आरोपियों ने पहले ?1100 लेकर भरोसा जीता, फिर 20 जनवरी को रेलवे स्टेशन के पास 'शुद्धि' के नाम पर 4 सोने के कंगन और 8 लाख रुपये मंगवाए। जैसे ही गहने और पैसे हाथ लगे, आरोपी मोबाइल बंद कर फरार हो गए।

सीसीटीवी और तकनीकी जांच से दबोचे गए– थाना छावनी में मामला दर्ज होने के बाद एएसपी सुखनन्दन राठौर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को यूपी भागने से पहले ही दबोच लिया। दुर्ग पुलिस ने अपील की है कि बीमारी के इलाज के लिए केवल डॉक्टरों पर भरोसा करें और ऐसे ढोंगी बाबाओं या तांत्रिकों के झांसे में न आएं।

हिंदू जागरण मंच ने बसंत पंचमी धूमधाम से मनाई, मां सरस्वती की पूजा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। हिंदू जागरण मंच ने बसंत पंचमी के पावन अवसर पर इस पर्व को हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया। कार्यक्रम का आयोजन कालीबाड़ी गायत्री स्कूल के पास स्थित माता सरस्वती की प्रतिमा स्थल पर हुआ, जहां मंच के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की और मां सरस्वती के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने देवी सरस्वती से समाज में ज्ञान, संस्कार और सद्बुद्धि के प्रसार की कामना की। वक्ताओं ने इस अवसर पर बसंत पंचमी के महत्व को उजागर करते हुए इसे भारतीय संस्कृति में शिक्षा, कला और ज्ञान का प्रतीक बताया। साथ ही, उन्होंने बताया कि इस दिन का महत्व सिर्फशिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण समाज में सद्गुणों की वृद्धि के लिए भी प्रेरित करता है।

कार्यक्रम के दौरान हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति ने इसे और भी भव्य बना दिया। सभी ने मिलकर माता सरस्वती के जयघोष के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया और इस दिन को यादगार बना दिया।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए स्थल निरीक्षण किया गया

बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल होंगे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

बसना (समय दर्शन)। भारत 77वें गणतंत्र दिवस मनाने जा रही है। आज हमारा देश डिजिटल क्रांति के युग में भी परिपक्वता के साथ नई बुलंदियों को छू रही हैं। इस दौरान देश में

उत्सव का माहौल है। शासन प्रशासन इस खुशी के अवसर को सुगंधित बनाना चाहती है।

जिस प्रकार से शासन के विभिन्न विभागों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सुनहरी छटा बिखेरने की तैयारी की जा रही है,इससे पता चलता है कि,देश अपने गणतंत्र के 77वें पायदान पर,, देश मे गणतंत्र दिवस के राष्ट्रव्यापी उत्सव की तैयारी परवान पर हैं।

छत्तीसगढ़ में राजनैतिक हलचल के बीच गणतंत्र दिवस का वातावरण काफी रोमांचित हैं।

26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और इसके साथ हमारा देश संप्रभुत्व लोकतांत्रिक गणराज्य बना।

इस दिन दूरस्थ गांव से लेकर देश की राजधानी तक सभी तरफ देशप्रेम की बयार बहती है।

इसी तारतम्य में महासमुन्द जिला अंतर्गत ब्लाक मुख्यालय बसना के सरस्वती शिशु मंदिर के पास दशहरा मैदान,सी टी ग्राउंड में 26 जनवरी 2026 को बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल की आतिथ्य में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी जाएगी।

एन सी सी, स्काउट, रेडक्रास,एन एस एस द्वारा परेड एवं विभिन्न विभागों की झांकियों का अवलोकन के साथ देश भक्ति से ओत प्रोत सांस्कृतिक छटा बिखरेगी।

इस दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूरज सिदार की अगुवाई में बसना विधानसभा संयोजक डॉ एन के अग्रवाल,नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, पार्षद राकेश डड़सेना एवं नगर पंचायत की टीम ने परेड ग्राउंड का मुआयना किया गया।

सर्व अनुसूचित जाति समाज ने राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम से सौंपा ज्ञापन

अनुसूचित जाति वर्ग की आरक्षण जनसंख्या के अनुपात में बढ़ाने व रविदास जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग

महासमुन्द (समय दर्शन)। सर्व अनुसूचित जाति समाज के पदाधिकारियों ने कलेक्टर महासमुंद को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन सौंपकर अनुसूचित जाति समाज के आरक्षण जनसंख्या के आधार पर बढ़ाने व संत रविदास जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग किया।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि छत्तीसगढ़ में 2012 के पहले अनुसूचित जाति को नौकरी, शिक्षा व अन्य कार्यों में 16 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिल रही थी। परंतु 2012 में डॉ रमन सिंह के सरकार ने छत्तीसगढ़ आरक्षण में बदलाव करते हुए 16 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया। चुंकि 2011 की जनगणना में अनुसूचित जाति की जनसंख्या की प्रवीष्टीयां सही तरीके से नहीं किया गया था कारण अनुसूचित जाति के बड़ी संख्या मजदुर वर्ग से हैं जो जनगणना के समय छत्तीसगढ़ से बाहर पलायन कर गए थे। पिछली कांग्रेस सरकार ने भी 2011 की जनगणना को ही आधार मानकर 12 प्रतिशत से बढ़ाकर मात्र 13 प्रतिशत किया था। जो आज तक लागू भी नहीं हो पाई। सर्व अनुसूचित जाति समाज ने 16 प्रतिशत के बजाए 13 प्रतिशत किए जाने की विभिन्न स्तरों पर विरोध किया था।

आज अनुसूचित जाति को दी जा रही 12 प्रतिशत आरक्षण बढ़ती जनसंख्या के आधार पर बहुत ही कम है। जिसके कारण समाज को सरकारी नौकरी व शिक्षा तथा राजनीतिक क्षेत्रों पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रही। पिछली जनगणना को हुए अब 15 साल हो गई और इन 15 सालों में अनुसूचित जाति की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है साथ ही 2012 के बाद पिछड़ा वर्ग व अन्य में आने वाली सारथी,सुत सारथी, सहिस, सईस, थनवार जैसे विभिन्न जाति को अनुसूचित जाति में शामिल किया गया है। जिसकी संख्या भी मुल रुप से अनुसूचित जाति में शामिल हो गई है। अत: वर्तमान में सभी को मिलाकर अनुसूचित जाति की संख्या 18 से 20 प्रतिशत हो गई है। इसलिए संख्या के आधार पर हमारे समाज को आरक्षण दिये जाने की प्रावधान किया जाना जरूरी है।

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर राज्य में सार्वजनिक अवकाश घोषित हो– संत शिरोमणि रविदास महराज जी के समतामूलक सिद्धांत व कार्य भारत ही नहीं अपितु पुरे विश्व में विख्यात है तथा रविदास महराज जी अनुयाई संसार के विभिन्न देशों के साथ छत्तीसगढ़ में बहुतायत संख्या में निवासरत है। अपितु रविदास महराज के सामाजिक सुधार के कार्य अनुसूचित जाति समाज के साथ ही पुरे मानव समाज के लिए पुज्यनीय है। अत: संसार के सभी संतों में संत शिरोमणि से सुशोभित एक मात्र संत रविदास महराज जी है जिसकी जयंती माघ पुन्नी तिथि पर छत्तीसगढ़ शासन प्रति वर्ष सामान्य अवकाश घोषित कर सामाजिक समानता की धारणा को पुरी करने की कृपा करें। चुंकि बहुत से सामान्य अवकाश को सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार सम्मिलित किया जाता रहा है।

ज्ञापन देने वालों में विजय बंजारे सरंक्षक,रेखराम बघेल जिलाध्यक्ष,टोमन सिंह कागजी,मदन भारती जिला उपाध्यक्ष गाड़ा समाज, राजेश रात्रे,पवन घृतलहरे, डगेश्वर डहरिया, रितुराज बघेल, रविदास समाज प्रमुख रामकृष्ण मिरी, मुलचंद रौतिया महासमुंद नगर अध्यक्ष,, चैतराम मिरी,रवि अजगल्ले, गणेश राम मिरी, भवानी शंकर मिर्धा आदि समाज जन शामिल रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26